

प्रधानमंत्री मोदी बोले- यह समाधान तलाशने का समय है, व्यवधान पैदा करने का नहीं

यूपी कैबिनेट का बड़ा फैसला 11.92 लाख शिक्षकों को सौगात, राज्य कर्मचारियों की तरह मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

एजेंसी।

दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार को भारत का आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेंगी, जिसमें बजट से पहले अर्थव्यवस्था का व्यापक आकलन प्रस्तुत किया जाएगा। वे 1 फरवरी को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026 पेश करने वाली हैं, जो लगातार नौवां बजट होगा। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विकास को गति देने के लिए सुधारात्मक उपायों की उम्मीदें हैं। सत्र बुधवार को अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू के संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के साथ शुरू हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को संसद के बजट सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए



कहा कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और उन्होंने निर्माताओं से आग्रह किया कि वे अपने लिए खुल रहे नए बाजारों का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि एक नया बाजार

खुल गया है, जो यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता महत्वाकांक्षी भारत के लिए है और उन्होंने निर्माताओं से आग्रह किया कि वे अपने लिए खुल रहे नए बाजारों का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि एक नया बाजार

प्रस्तुत किया जाएगा। वे 1 फरवरी को लोकसभा में केंद्रीय बजट 2026 पेश करने वाली हैं, जो लगातार नौवां बजट होगा। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विकास को गति देने के लिए सुधारात्मक उपायों की उम्मीदें हैं। सत्र बुधवार को अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू के संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के साथ शुरू हुआ। इस बीच, विपक्षी दलों ने यूपी-जी आरएएम-जी विधेयक और विशेष गहन संशोधन विधेयक (एसआईआर) जैसे मुद्दों पर चर्चा की मांग की है, हालांकि केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने इन बहसों को खारिज करते हुए कहा है कि इन पर शीतकालीन सत्र में चर्चा हो चुकी है।

संवाददाता।

लखनऊ यूपी सरकार ने प्रदेश के 11.92 लाख से ज्यादा शिक्षक व शिक्षा कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। अब उन्हें भी राज्य कर्मचारियों की तरह कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रदेश के शिक्षकों को योगी सरकार ने बड़ी सौगात दी है। अब शिक्षकों को भी राज्य कर्मचारियों की तरह ही कैशलेस इलाज की सुविधा मिलेगी। बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। इस फैसले से 11.92 लाख से ज्यादा शिक्षकों को सीधे लाभ मिलेगा। इस फैसले को आयुष्मान व्यवस्था के माध्यम से लागू किया जाएगा। इस फैसले से शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक व रसोइया सभी लाभान्वित होंगे। इस फैसले के क्रियान्वयन में 358.61 करोड़ रुपये की लागत आएगी। बैठक में माध्यमिक शिक्षा विभाग को भी कैशलेस सुविधा की मंजूरी दे दी गई है। इससे दो लाख 97 हजार 579 कर्मचारी लाभान्वित होंगे। वहीं, सरकार 89.25 करोड़ रुपये का व्यय भार पड़ेगा। हालांकि, जो



कर्मचारी पहले से ही किसी सरकारी योजना जैसे आयुष्मान से आच्छादित हैं उन्हें इसका लाभ नहीं दिया जाएगा। बता दें कि कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते साल के पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने की घोषणा की थी। विभाग की ओर से इस योजना को आयुष्मान योजना की तरह लागू करने की तैयारी है। यह सुविधा पूरी तरह कैशलेस है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में कुल 32 में से 30 प्रस्ताव पास हो गए। सिर्फ 14वां और 17वां प्रस्ताव ही रोकता गया। नक्शा पास

करने की प्रक्रिया सरल की जाएगी जिससे कि लोग नक्शा जरूर पास करें। विकास शुल्क के संशोधित प्राइस लागू किए जाएंगे। बरेली में विज्ञान पार्क और नक्शाशाला की स्थापना होगी। मुरादाबाद में भी नक्शाशाला और विज्ञान पार्क की स्थापना होगी। आपदा प्रभावित परिवारों का होगा पुनर्वास बैठक में आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास को लेकर मंजूरी दी गई। पंडितों को सरकारी आवास और भूमि का पट्टा दिया जाएगा। बहराइच में राजस्व ग्राम परतापुर पर सहित अन्य ग्रामों में आपदा प्रभावित परिवारों को पुनर्वास के लिए भूमि

की व्यवस्था करने के निर्देश सीएम में दिए थे। 29 लोग नदी पार कर रहे थे जिनमें 9 लोगों की मृत्यु हो गई थी। आपदा प्रभावित गांव का हवाई संरक्षण किया गया और परतापुर के गांव के लोगों को पुनर्वासित किया गया। मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत दिया गया। 136 परिवारों को जमीन का पट्टा दिया जाएगा और उनके आवास का भी पट्टा होगा और मुख्यमंत्री आवास के तहत आवास दिया जाएगा जितनी खेती की जरूरत होगी वैसे ही उनका खेती के लिए भी पट्टा दिया जाएगा।

2026 पर क्यों मचा है बवाल? जानिए कैसे 2012 के नियम सभी छात्रों को देते हैं एक समान सुरक्षा कवच

एजेंसी।

दिल्ली। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने इस रेगुलेशन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र और न्हा को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने अब केंद्र सरकार और न्हा को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक बड़ा फैसला सुनाते हुए यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (UGC) के उन नए नियमों पर अंतरिम रोक लगा दी है, जो उच्च शिक्षा संस्थानों (HMs) में समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाए गए थे। कोर्ट ने इन नियमों में भेदभाव की परिभाषा को अस्पष्ट और विवादास्पद माना है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने इस रेगुलेशन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र और न्हा को नोटिस जारी किया। सुप्रीम कोर्ट ने अब केंद्र सरकार और न्हा को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट इस बात की जांच करेगा कि क्या ये नियम समानता के अधिकार (अनुच्छेद 14) और शिक्षा के अधिकार के संवैधानिक ढांचे के अनुरूप हैं या नहीं। विवाद की जड़कू श्जाति आधारित भेदभावश की परिभाषा 23 जनवरी 2026 को अधिसूचित इन नए नियमों

के रेगुलेशन 3 (b) को याचिकाओं में चुनौती दी गई थी। विवाद के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं सामान्य श्रेणी की अनदेखी याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि इस परिभाषा ने प्रभावी रूप से रसमान्यश या गैर-आरक्षित श्रेणियों के छात्रों को संस्थागत सुरक्षा से बाहर कर दिया है। यदि किसी सामान्य श्रेणी के छात्र को उसकी जाति पहचान के कारण उत्पीड़न झेलना पड़ता है, तो नए नियमों के तहत उसके पास शिकायत निवारण श्रेणी के छात्रों ने दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में नए अधिसूचित यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (न्हा) के इक्विटी नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, और उन्हें तुरंत वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारी छात्रों ने दावा किया कि ये नियम समानता के बजाय कैंपस में भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने बताया कि सामान्य श्रेणी के छात्रों के प्रतिनिधित्व के लिए कोई बाध्यकारी प्रावधान नहीं

है। इससे पहले, रायबरेली के सलोन निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष श्याम सुंदर त्रिपाठी ने नई न्हा नीतियों पर असंतोष जताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र में अपने इस्तीफे की घोषणा की। हिंदी में लिखे पत्र में यह लिखा था



छूंची जाति के बच्चों के खिलाफ लाए गए आरक्षण बिल जैसे काले कानून की वजह से मैं अपने पद से इस्तीफा दे रहा हूं। यह कानून समाज के लिए बहुत खतरनाक और बांटने वाला है। मैं इस बिल से पूरी तरह असंतुष्ट हूं। लोगों में बहुत गुस्सा है। मैं इस आरक्षण बिल का समर्थन नहीं करता। ऐसे अनैतिक बिल का समर्थन करना मेरे आत्म-सम्मान और विचारधारा के बिल्कुल खिलाफ है। UGC नियम 2012 बनाम

साथ होने वाले भेदभाव को कवर किया गया है, जिसका अर्थ है कि सैद्धांतिक रूप से इसमें आरक्षित और सामान्य दोनों श्रेणियों के छात्रों को सुरक्षा और शिकायत निवारण का अधिकार मिलता है। यह नियम अधिक समावेशी माना जाता है क्योंकि यह केवल एक विशेष समूह तक सीमित नहीं है। इसके विपरीत, UGC के नए 2026 नियम (जिन पर अब रोक लगा दी गई है) एक अधिक संकीर्ण परिभाषा पेश करते हैं।

राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने किया यूजीसी के नए नियमों का विरोध

एजेंसी।

राजस्थान इन नियमों के कारण छात्रों के बीच भेदभाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है और किसी भी तरह के भेदभाव या अभद्र टिप्पणी का शिकार होने पर सभी वर्गों के छात्रों को शिकायत करने का समान अधिकार मिलना चाहिए। राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के



नए नियमों को पूरी तरह अस्वैधानिक बताते हुए इसका विरोध

किया। मिश्र ने सेक्टर-51 स्थित अपने आवास पर

आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि नए नियमों को जल्द वापस लिया जाना चाहिए। मिश्र ने कहा कि इन नियमों के कारण छात्रों के बीच भेदभाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है और किसी भी तरह के भेदभाव या अभद्र टिप्पणी का शिकार होने पर सभी वर्गों के छात्रों को शिकायत करने का समान अधिकार मिलना चाहिए।

शशि थरूर ने खरगे-राहुल से मुलाकात के बाद दिया बड़ा संदेश

एजेंसी।

दिल्ली। कांग्रेस में आंतरिक मतभेदों की अटकलों के बीच सांसद शशि थरूर ने मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात की, जिससे उन्होंने एक सौहार्दपूर्ण और रचनात्मक चर्चा बताया। इस बैठक के बाद थरूर ने स्पष्ट किया कि वे किसी पद के उम्मीदवार नहीं हैं और आंतरिक मुद्दों पर संगठन के भीतर ही चर्चा होनी चाहिए, न कि मीडिया में। कांग्रेस सांसद

शशि थरूर ने संसद कार्यालय में लोकसभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। यह मुलाकात पिछले आधे घंटे से चल रही है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा में दिए गए उनके बयानों के बाद शशि थरूर के कांग्रेस से संबंध अच्छे नहीं हैं। पिछले हफ्ते थरूर ने कहा था कि पार्टी से उन्हें कुछ फलभेद चाहिए, जिन्हें वे नेतृत्व के समक्ष उठाएंगे, लेकिन

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने संसद में संगठन के घोषित रुख का कभी उल्लंघन नहीं किया है। खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात के बाद शशि थरूर ने कहा कि मैं किसी पद के लिए उम्मीदवार नहीं हूं। मैं पार्टी के लिए प्रचार कर रहा हूं। मैं बहुत संतुष्ट हूं। उन्होंने कहा कि आज विभिन्न विषयों पर सौहार्दपूर्ण और रचनात्मक चर्चा के लिए कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा सांसद राहुल गांधी का धन्यवाद। भारत की जनता की सेवा में आगे बढ़ने के लिए हम सभी एकमत हैं। उन्होंने कहा कि आंतरिक मतभेदों पर संगठन के भीतर ही चर्चा होनी चाहिए, न कि मीडिया के माध्यम से। उनकी ये टिप्पणी ऐसे समय आई है जब खबरें आ रही हैं कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी

द्वारा कोचिंग में हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में



उनकी उपस्थिति को उचित सम्मान न देने और राज्य पार्टी के नेताओं द्वारा उन्हें बार-बार दरकिनार करने के कथित प्रयासों से थरूर नाराज हैं। उन्होंने कहा कि मैं बस इतना कह सकता हूं कि कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिन्हें मुझे अपने पार्टी नेतृत्व के साथ उठाना चाहिए, न कि किसी सार्वजनिक मंच पर। मैं संसद के लिए दिल्ली जा रहा हूं और मुझे विश्वास है कि मुझे पार्टी नेतृत्व के सामने अपनी विचारों को स्पष्ट रूप से रखने और उनका दृष्टिकोण जानने का अवसर मिलेगा। एक उचित बातचीत होगी।

पिनारयी विजयन का बड़ा दावा, समाज के हर वर्ग को मिली है बड़ी राहत

एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने राज्य बजट को जनहितैषी बताते हुए कहा कि यह समाज के सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी उपायों को मजबूत करेगा। उन्होंने आलोचनाओं को खारिज करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग विकास और विभिन्न बंदरगाह जैसी परियोजनाओं को सरकार की प्रगति का प्रमाण बताया। केरल

के मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत किया गया राज्य बजट जनहितैषी है और इसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी उपायों को मजबूत करते हुए व्यापक विकास सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से जारी एक बयान में विजयन ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा

(एलडीएफ) सरकार ने पिछले एक दशक में केरल को एक आधुनिक, विकसित मध्यम-आय वाले समाज में बदलने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जो 2022 की 14वीं पंचवर्षीय योजना में निहित लक्ष्य है। विजयन ने कहा कि पिछले दस वर्षों से, एलडीएफ सरकार केरल को एक आधुनिक, विकसित मध्यम-आय वाले समाज में बदलने के लिए प्रयासरत है।

यह उद्देश्य 2022 की 14वीं पंचवर्षीय योजना में परिभाषित किया गया था। ऐसे मध्यम-आय वाले समाज को दो स्तंभों पर खड़ा होना चाहिए। पहला, हमारे संविधान में परिकल्पित निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप जनता के लिए एक कल्याणकारी राज्य का निर्माण करना। दूसरा, पूंजी निवेश बढ़ाकर और बुनियादी ढांचे का विकास करके आर्थिक विकास

को गति देना। आंकड़े बताते हैं कि केरल इन दोनों लक्ष्यों की ओर तेजी से प्रगति कर रहा है। इसके अलावा, आज के बाद थरूर ने स्पष्ट किया कि वे किसी पद के उम्मीदवार नहीं हैं और आंतरिक मुद्दों पर संगठन के भीतर ही चर्चा होनी चाहिए, न कि मीडिया में। कांग्रेस सांसद

निरर्थक और सरासर निराशा से उपजा हुआ बताया। उन्होंने कहा कि कई परियोजनाएं जिन्हें कभी मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रस्तावित किया था, वास्तव में पिछले दशक में साकार हो चुकी हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग विकास और विभिन्न बंदरगाह के दूसरे चरण जैसी पहलें इस प्रगति के स्पष्ट उदाहरण हैं, जिन्हें नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता।

बिजली बिल बढ़ोतरी को लेकर आम आदमी पार्टी का हमला, कहा 25 करोड़ जनता पर महाघोटाले के जरिये आर्थिक वार

लखनऊ,(आरएनएस) उत्तर प्रदेश में फरवरी से बिजली बिल में प्रस्तावित 10 प्रतिशत वृद्धि को लेकर आम आदमी पार्टी ने प्रदेश सरकार और बिजली कंपनियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने गुवारा को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में इसे उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता पर सीधा आर्थिक हमला बताते हुए “सबसे बड़ा बिजली घोटाला” करार दिया।वंशराज दुबे ने कहा कि बिजली बिल में की जा रही 10 प्रतिशत बढ़ोतरी दरअसल ईंधन अधिभार के नाम पर सरकार और बिजली कंपनियों की मिलीभगत से की जा रही खुली लूट है। उन्होंने आरोप लगाया कि सस्ती बिजली को कागजों में मंहंगे दाम पर दिखाकर जनता से जबरन वसूली की जा रही है। उनके अनुसार यह कोई नई प्रक्रिया नहीं है, फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार लूट को “पयूल सरचाज” का नाम दे दिया गया है।उन्होंने कहा कि गुरुवार को सामने आई यह खबर कि फरवरी से बिजली बिल बढ़ने जा रहे हैं, प्रदेश की जनता के लिए बड़े झटके से कम नहीं हैं। वंशराज दुबे ने कहा कि अब तक के आंकड़ों को देखें तो यह ईंधन अधिभार के नाम पर की जा रही सबसे बड़ी वसूली साबित होनी जा रही है।प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने बिजली विभाग के मंत्री पर तंज करते हुए कहा कि जब

उन्होंने कहा कि सरकार जब जनता को एक रुपये की राहत

बिजली खंभे लगाने का दावा करती है, जबकि हकीकत में कई जगह बांस की बलियों के सहारे बिजली स्पलाई दी जा रही है। कहीं बांस टूटता है, कहीं तार गिरते हैं और बरसात के मौसम में करंट उतरने से जान का खतरा बना रहता है, लेकिन सरकार को जनता की सुरक्षा की कोई चिंता नहीं है।स्मार्ट मीटरों पर हमला बोलते हुए वंशराज दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर नहीं, बल्कि “वाकू मीटर” लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंखा चले या न चले, कूलर चले या न चले, लेकिन मीटर ऐसे दौड़ता है जैसे बुलेट ट्रेन। उनके अनुसार सरकार घाटे का बहाना बनाकर कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए तुगलकी फरमान जारी कर रही है और उसका बोझ जनता पर डाला जा रहा है।उन्होंने मांग की कि इस पूरे कथित बिजली घोटाले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही मांग की गई कि जांच पूरी होने तक पयूल सरचाज बढ़ाने के फैसले पर तत्काल रोक लगाई जाए। वंशराज दुबे ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली और पंजाब में बिजली को लेकर जनता को राहत दी है, क्योंकि पार्टी की नीति है कि बिजली, पानी और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं जनता को सुलभ और किफायती मिलनी चाहिए।

बीबीएयू में यूनिवर्सिटी यूथ कान्वलेव का आयोजन, स्वास्थ्य और वित्तीय सशक्तिकरण पर हुआ मंथन

लखनऊ(आरएनएस) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 29 जनवरी को स्वास्थ्य एवं वित्तीय कल्याण के उद्देश्य से यूनिवर्सिटी यूथ कान्वेलेव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उम्मीदवदस्टूडेंट काउंसिलिंग सेंटर, बीबीएयू, नेशनल टास्क फोर्स, स्टूडेंट वेलनेस कमटी और एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि किसी भी व्यक्ति का व्यवहार और उसकी तार्किक क्षमता उसके जीवन के निर्णयों, कार्यों और भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति सोच—समझकर और तर्क के आध्ार पर निर्णय लेता है, तभी वह सही और दूरगामी परिणाम प्राप्त कर सकता है। वित्तीय विषयों पर चर्चा करते हुए उन्होंने धन को सही तरीके से खर्च करने और पैसे से पैसे बनाने की समझ पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को ‘लर्निंग अर्निंग टुगेदर’ का मूलमंत्र देते हुए आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।कुलपति ने पंचकोश सिद्धांत की व्याख्या करते हुए कहा कि अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनंदमयकृड़न पांचों कोशों का संतुलन व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आत्मिक रूप से स्वस्थ बनाता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और सकारात्मक मन के बिना न तो सही निर्णय संभव है और न ही सर्वांगीण विकास। इसलिए व्यक्ति का समग्र विकास तभी संभव है, जब वह

यूजीसी नियमों और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर अखिलेश यादव का बयान, कहा-कानून की भाषा और नीयत दोनों साफ होनी चाहिए

लखनऊ(आरएनएस) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की पृष्ठभूमि में न्याय, संविधान और सरकार की नीयत पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सच्चा न्याय वही होता है, जिसमें किसी के साथ अन्याय न हो और माननीय न्यायालय का मूल उद्देश्य भी यही सुनिश्चित करना है। उनका कहना था कि किसी भी कानून या नियम की सिर्फ भाषा ही नहीं, उसका भाव भी स्पष्ट और निष्पक्ष होना चाहिए, क्योंकि सवाल नीयत नियमों का भी बल्कि नीयत का नहीं होता है।अखिलेश यादव ने कहा कि न तो किसी का उत्पीड़न होना चाहिए, न किसी के साथ अन्याय, न किसी पर जुल्म—ज्यादती और न ही

क्या उन अनुभवों के आधार पर नए नियमों को बेहतर बनाया गया। उन्होंने कहा कि संविधान स्पष्ट रूप से कहता है कि कहीं भी भेदभाव नहीं होना चाहिए और हर नीति उसी भावना के अनुरूप होनी चाहिए।अखिलेश यादव ने इस मुद्दे के साथ—साथ भाजपा सरकार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार युवाओं को नौकरी और रोजगार देने में पूरी तरह विफल रही है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई से किसान, मजदूर और हर वर्ग परेशान है। खेती की लागत लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई और न ही उन्हें अपनी फसलों का उचित

मूल्य मिल पा रहा है।उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत का लाभ बिचौलियों को मिल रहा है, जबकि किसान आर्थिक संकट से जूझ रहा है।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने में पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि चाहे रोजगार का वादा हो, किसानों की आय का सवाल हो या महंगाई पर नियंत्रण, हर मोर्चे पर सरकार की नीतियां विफल साबित हुई हैं।यूजीसी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आए अखिलेश यादव के इस बयान को शिक्षा, सामाजिक न्याय और आर्थिक मुद्दों को जोड़कर देखा जा रहा है, जिससे राजनीतिक हलकों में इस विषय पर बहस और तेज होने की संभावना है।

सहनशीलता ही भारतीय ज्ञान परंपरा की आत्मा- प्रो. वशिष्ठ अनूप द्विवेदी दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत हुए 80 से ज्यादा शोध पत्र

प्रयागराज। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के महामानव मदनमोहन मालवीय हिन्दी पत्रकारिता संस्थान तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और प्रो. वासुदेव सिंह स्मृति न्यास, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी बुधवार को सम्पन्न हुई। डॉ. भगवानदास केन्द्रीय पुस्तकालय के समिति कक्ष में आयोजित श्मारतीय ज्ञान परंपरा का सप्रेषण रु सामाजिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक परिप्रेक्ष्य विषयक संगोष्ठी में भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयामों पर गहन चर्चा हुई तथा वक्ताओं ने इसे समकालीन समाज से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। अध्यक्षता करते हुए हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्विद्यालय के अ्थक्ष प्रो. वशिष्ठ अनूप द्विवेदी ने कहा कि प्रो. वासुदेव सिंह की विरासत को परिवारजनों ने जिस

तरह सँजो कर रखा है, यह अनुकरणीय है। वासुदेव जी ने अपनी पुस्तकों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्पराओं को सँजो कर रखा है। उपनिषदों, पुराणों इत्यादि की जो बात की जाती है, वह भारतीय ज्ञान परम्परा में ही है।मुख्य अतिथि वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की पूर्व कुलपति प्रो. निर्मला मौर्या ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा अत्यन्त विशाल और समृद्ध है। यह ज्ञान परंपरा हमें सिखाती है कि संसार में ऐसी कोई वस्तु या ज्ञान नहीं है, जिसे मनुष्य तप, साधना और निरंतर प्रयास से प्राप्त न कर सके। ज्ञान स्वयं में एक तप है। आज के युग में भारतीय ज्ञान परंपरा को सीमाओं में बाँधना संभव नहीं है। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता हिन्दी विभाग, रॉची विश्विद्यालय (झारखंड) के पूर्व अ्थक्ष प्रो. जंग बहादुर पांडेय ने की। मुख्य अतिथि हिंदी विभाग,

गोरखपुर विश्वविद्यालय के अ्थक्ष प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी ने कहा कि स्त साहित्य और भारतीय ज्ञान परंपरा में शब्द को ब्रह्म का स्थान प्राप्त है। इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध् य प्रदेश) के मानविकी एवं भाषा संकाय की अध्यक्ष प्रो. रेनु सिंह, शशि प्रकाश सिंह, एस.जे.आई. (सालिसिटर जनरल ऑफ इंडिया), डॉ. मनोहर लाल, डॉ. मुकेश कुमार शुक्ल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर प्रो. श्रद्धा सिंह एवं डॉ. हिमांशु शंखर सिंह की पुस्तक श्स्त्री—चेतना एवं भारतीय मूल्य रु कुछ राग—कुछ रंग्श का विमोचन भी हुआ। संगोष्ठी में प्रो. सुमन जैन, डॉ. दयानन्द, डॉ. नाराेंद्र पाठक, डॉ. शिवजी सिंह, डॉ. आशा यादव, डॉ. ँ गीरेन्द्र राय, अशोक स्वामी (निदेशक— हिन्दी संसार,

प्रयागराज) आदि ने अपना विचार व्यक्त किया। प्रो. श्रद्धा सिंह ने दो दिवसीय संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की। स्वागत डॉ. हिमांशु शेखर सिंह, संचालन डॉ. राहुल अवस्थी एवं धन्यवाद ज्ञापन महामानव मदनमोहन मालवीय हिन्दी पत्रकारिता संस्थान के निदेशक डॉ. नागेन्द्र कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. संतोष मिश्र, डॉ. जयप्रकाश श्रीवास्तव, डॉ. सुधांशु शेखर सिंह, डॉ. प्रभा शंकर मिश्र, डॉ. श्रीराम त्रिपाठी, डॉ. वैष्णवी शुक्ला, डॉ. अजय वर्मा, डॉ. चन्द्रशील पाण्डेय, डॉ. भूप नारायण, डॉ. जथ सिंह, डॉ. देवेन्द्र सिंह, डॉ. रेनु बाला, खुश्व सिंह, गुरु प्रकाश सिंह, गणेश राय, देवेन्द्र गिरि, सपना, डॉली, पुलकित, मनीष, समर, स्तुति, वंशिका, दिशान, जूली, शाजिया, अनुष्का, जाह्नवी, श्रेया, रिद्धि आदि उपस्थित रहे।

पाश एक्ट से संबंधित कार्यशाला का किया गया आयोजन सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत प्रतियोगिताएं आयोजित

प्रयागराज। नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पॉश एक्ट से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय की आंतरिक शिकायत प्रकोष्ठ (आईसीसी) के तत्वावधान में हुआ। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि विभाग के प्रो. अभिषेक तिवारी मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद थे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न की रोक थाम के लिए अधिनियम में अनेक व्यवस्थाएं की गई हैं। अधिनियम ये प्रावधानित करता है कि कार्यस्थल पर महिलायें बिना किसी भय या उत्पीड़न के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें। उन्होंने कहा कि ऐसे नियम बनाये गये हैं जिससे महिलायें निर्विघ्न कार्य कर सकें। प्राचार्य प्रोफेसर रश्मि बिश्नोई ने अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि महिला महाविद्यालय द्वारा रत्री सशक्तिकरण की दिशा में ये प्रभावी कदम है। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजक आईसीसी प्रभारी प्रोफेसर शालिनी श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस अवसर पर पॉश कमेटी के सदस्य प्रो. शिवानी श्रीवास्तव, प्रो. विनीता लाल, प्रो. कंचन लता, डा. रश्मि अग्रवाल, डा. ज्योति, डा. भास्कर शर्मा सहित सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्रायें मौजूद रही। महाविद्यालय में आज ही सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के अंतर्गत मंडल स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सूच्य है कि शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए जिला स्तर पर भाषण, नुक्कड़ नाटक तथा शील मेकिंग प्रतियोगिता कराई गई थीं। जिसमें विजेताओं के लिए पुरस्कारों की घोषणा प्रो. राजीव यादव प्रो. पुनम वर्मा तथा प्रो. शालिनी श्रीवास्तव के द्वारा की गई। स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इन्हें नकद पुरस्कार भी शासन द्वारा प्रदान किया जाएगा।

नैतिक पतन नहीं, बल्कि एक न्यूरो- एपिजेनेटिक संकट- डा. अजय कुमार सोनकर युवा मस्तिष्क नशे की ओर क्यों बढ़ रहा है?

प्रयागराज। पध्दमश्री वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर ने युवाओं में बढ़ती नशे और शराब की प्रवृत्ति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसे नैतिक पतन या अनुशासनहीनता के रूप में देखना एक गंभीर वैज्ञानिक भूल है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह समस्या दरअसल युवाओं के मस्तिष्क में हो रहे जैविक और न्यूरोलॉजिकल बदलावों का परिणाम है, जिसे आज का तनावपूर्ण वातावरण लगातार और गहरा कर रहा है।डॉ. सोनकर ने बताया कि

मानव मस्तिष्क एक साथ पूरी तरह विकसित नहीं होता। भावनाओं और उत्तेजना से जुड़ा हिस्सा बहुत जल्दी सक्रिय हो जाता है, जबकि निर्णय लेने और आत्म—नियंत्रण से जुड़ा प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स लगभग 24—25 वर्ष की उम्र तक पूरी तरह परिपक्व होता है। उन्होंने कहा कि इसी कारण युवा भावनात्मक रूप से बहुत तीव्र अनुभव करते हैं, लेकिन उन्हें नियंत्रित करने की जैविक क्षमता अभी पूरी तरह विकसित नहीं होती। ऐसे में जब अत्यधिक दबाव पड़ता है, तो मस्तिष्क आसान और त्वरित राहत

के रास्ते खोजता है। प्रख्यात वैज्ञानिक ने आगे कहा कि आज का युवा लगातार प्रतियोगिता, असफलता के भय, रोजगार की अनिश्चितता और सामाजिक तुलना के बोझ तले जी रहा है। इस निरंतर तनाव के कारण शरीर में कॉर्टिसोल हार्मोन लंबे समय तक ऊँचा बना रहता है। उन्होंने बताया कि कॉर्टिसोल मस्तिष्क के उस हिस्से को कमजोर करता है जो सही निर्णय लेने में मदद करता है, जबकि डर और चिंता से जुड़े हिस्से को अत्यधिक सक्रिय कर देता है। इसका

परिणाम यह होता है कि युवा हर समय बेचोनी और असुरक्षा की स्थिति में रहने लगते हैं।डॉ. सोनकर ने यह भी खुलासा किया कि यह तनाव केवल मानसिक नहीं रहता, बल्कि एपिजेनेटिक स्तर पर जीनों की अभिव्यक्ति को भी बदल देता है। उन्होंने कहा कि लगातार दबाव में रहने से वे जीन सक्रिय हो जाते हैं जो भय, आवेग और नशे की चाह से जुड़े होते हैं, जबकि आत्म—नियंत्रण और सहनशीलता से जुड़े जीन दब जाते हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का कलेक्ट्रेट पर जबरदस्त प्रदर्शन

प्रयागराज। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आंगनवाड़ी संयुक्त मोर्चा उत्तर प्रदेश के बैनर तले आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

आंगनवाड़ी संयुक्त मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष सीता सोनी के नेतृत्व में सौंपे गए इस मांग पत्र में 10 सूत्रीय एजेंडा रखा गया है। जिसमें काम करने वाले लोगों को पूर्णकालिक सरकारी कर्मचारी घोषित कर वेतनमान, भविष्य निधि, पेंशन और ग्रेयुडी जैसी सुविधाएं दी जाएं। सेवाविवृति की आयु 65 वर्ष की जाए और कोरोना काल के बाद

से रिटायर हुए सभी कर्मियों को पेंशन व ग्रेयुटी का लाभ मिले। शोषण ट्रेकरश पर ऑनलाइन काम के लिए लोगों ने 20000 रुपए के 5जी स्मार्टफोन और 2500 रुपए प्रति माह डेटा रिचार्ज भत्ते की मांग की है। योग्यता और वरिष्ठता के आधार पर सहायिका से कार्यकर्ता और कार्यकर्ता से मुख्य सेविका के पद पर समयबद्ध पदोन्नति सुनिश्चित की जाए। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को बीएलओ जैसे गैर—विभागीय कार्यों में जबरन न डोंका जाए और न ही राजनीतिक रैलियों में भीड़ बढ़ाने के लिए उनका इस्तेमाल हो।प्रदेश उपाध्यक्ष सीता सोनी ने कहा कि यदि मोबाइल और डेटा भत्ते की मांग पूरी नहीं होती है तो अप्रैल

2026 से पोषण ट्रेकर पर समस्त ऑनलाइन कार्य पूरी तरह बंद

ब्लॉक अध्यक्ष शशि कला ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता दशकों से

कर दिए जाएंगे। इसके अलावा 1500 रुपए की प्रोत्साहन राशि में व्याप्त भ्रष्टाचार को देखते हुए उसे सीधे नियमित मानदेय में जोड़ा जाए।प्रदर्शन के दौरान जिला अ्ध्यक्ष संरोज श्रीवास्तव और

विभाग की आधारशिला बनी हुई हैं लेकिन आज भी वे बुनियादी सामाजिक सुक्षा से वंचित हैं। कार्यकत्रियोंका कहना है कि प्रशासन को बार—बार ज्ञापन देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

यूपी बोर्ड नकल में सलिप्त बाह्य व्यक्तियों पर लगेगा अंकुश

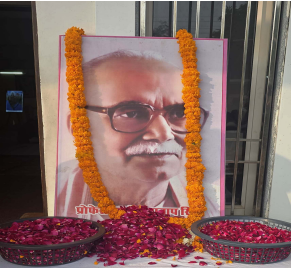
प्रयागराज। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा नकलविहीन और शुचित्तापूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों, एडीजी, डीएम, पुलिस आयुक्तएसएससी एवं एसपी को शासन स्तर से निर्देश जारी किए गए हैं। कहा गया है कि नकल में सलिप्त बाह्य व्यक्तियों पर अंकुश लगाने के लिए एलआइयू एवं अन्य स्रोतों से सूचना एकत्र कर परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं।अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर आवश्यकतानुसार एसटीएफ को तैनात किया जाए। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों के स्ट्रांग रूमों के बाहर पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इस अनुरूप व्यवस्था बनाने के निर्देश यूपी बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने सभी मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशकों और जिला विद्यालय निरीक्षकों को दिए हैं।जारी निर्देश के अनुसार यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर निरीक्षण एवं व्यवस्थापन कार्य करने वाले अध्यापकों एवं केंद्राध्यक्षों को लोक सेवक माना जाएगा। ऐसे में इन पर हमला आदि दुर्घटनाओं के मामले में संज्ञेय अपराध के अंतर्गत एफआइआर दर्ज की जाएगी।परीक्षा केंद्र से सामूहिक नकल अथवा परीक्षा शुरू होने से पहले प्रश्नपत्र लीक की सूचना मिलने या संदेह होने पर उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुवित साधनों का निवारण) अधिनियम 2024 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। इसमेंआजीवन कारावास तक तथा एक करोड़ रुपये तक जुर्माने का प्रविधान है। जनपद को जोत और सेक्टर में बांटकर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए जाएंगे। यह दायित्व एसडीएम, नगर मजिस्ट्रेट या कार्यकारी मजिस्ट्रेट को दिया जाएगा।

रज्जू भैया की 105वीं में जयंती पर आयोजित हुआ निशुल्क स्वास्थ्य एवं रत्नदान शिविर

सुल्तानपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यालय ‘रज्जू भैया सदन’ लक्कुश नगर सुल्तानपुर में प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया के 105वें जन्मदिवस पर सुंदरकांड का पाठ के साथ निशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं जन सेवा न्यास वाराणसी के तत्वाध्ान में रक्तदान शिविर का आयोजन विभाग संघचालक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर जिले के प्रसिद्ध विभिन्न रोगों

के विशेषज्ञ डॉक्टर ने निशुल्क उपचार एवं परामर्श दिया एवं सैकड़ों स्वयंसेवकों ने रक्तदान दिया। डॉ राधाकृष्णन द्वारा सभी स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए बताया गया कि रज्जू भैया ‘राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चतुर्थ सरसंघचालक’ के रूप में हम सबका मार्गदर्शन कई वर्षों तक किया, उन्होंने प्रो0 रज्जू भैया के जीवन की कई कहानियों का वर्णन करते हुए राष्ट्र के प्रति उनके त्याग और समर्पण को याद किया एवं कार्यक्रम में

उपस्थित सभी स्वयंसेवकों ने रज्जू भैया के चित्र पर पुष्पार्चन किया। इस अवसर पर प्रांत के ग्राम विकास संयोजक डॉ रमाशंकर पांडे, सह प्रांत शारीरिक प्रमुख गोकुल, विभाग प्रचारक श्री प्रकाश, जिला प्रचारक आशीध, नगरसंचालक अमरपाल, सहनगर संघचालक सुदीप पाल, आजय, प्रवीण अग्रवाल, सुशील त्रिपाठी सहित जिले के सैकड़ो सम्मानित स्वयंसेवकों के साथ चिकित्सा शिविर में डॉ संजय सिंह, डॉ रविंद्र यादव, डॉ. सलिल कुमार



श्रीवास्तव, डॉ. आर के मिश्रा, डॉ पवन कुमार सिंह, डॉ. सौरभ चतुर्वेदी, डॉ. डीपी सिंह, बृजेश त्रिपाठी, विजय चौधरी ने अपना विशिष्ट योगदान दिया।

लंबित मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

सुल्तानपुर (आरएनएस)। गुरुवार को तिकोनिया पार्क में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिला आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ की जिलाध्यक्ष नीलम श्रीवास्तव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपनी आवाज बुलंद की। नीलम श्रीवास्तव ने बताया कि यह धरना संयुक्त मोर्चा संघ के बैनर तले आयोजित किया गया है। उन्होंने विभाग में कार्यरत रहते हुए कार्यकर्ताओं की पीड़ा व्यक्त की, जिसे उन्होंने शब्दों में व्यक्त न कर पाने जितना गहरा बताया। श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग सहित कई महत्वपूर्ण सरकारी कार्य करती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब उनका

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरकार को सत्ता से हटाने में पीछे नहीं हटेंगी। उन्होंने कहा कि आज का यह एक



दिवसीय धरना केवल एक शुरुआत है, और जरूरत पड़ने पर पूरा संगठन सड़कों पर उतरकर चक्का जाम करेगा। फिलहाल आंगनवाड़ी

कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी को अपना मांग पत्र सौंप दिया है। अब देखना यह होगा कि सरकार इन

यू.जी.सी. कानून के समर्थन में उतरा मोस्ट, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

सुलतानपुर (आरएनएस)। मोस्ट कल्याण संस्थान के तत्वाधान में जिला संयोजक राकेश कुमार निषाद के नेतृत्व में राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशनिर्देशों के अनुपालन में पारित यूजी.सी. कानून देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, समानता एवं संवैध्ानिक मूल्यों की रक्षा के उद्देश्य से लाया गया है। यह विशेष रूप से महिलाओं, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं अन्य वंचित समुदायों के अधिकारों की

की मूल भावना सामाजिक न्याय, बहुत्व एवं अवसर की समानता के अनुरूप है। यह कानून देश की एकता, अखंडता एवं आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करने वाला है इसे बनाए रखना न केवल संवैध्ानिक आवश्यकता है बल्कि राष्ट्रहित में भी अत्यंत आवश्यक है। मोस्ट कल्याण संस्थान ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पारित यूजीसी कानून 2026 को महिलाओं, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं वंचित समाज के हित में यथावत लागू रखा जाए एवं सामाजिक न्याय,

समानता, भाईचारे एवं संविधान की मूल भावना की रक्षा की जाए। ज्ञापन देने वालों में मोस्ट प्रदेश प्रमुख जीशान अहमद, जिला संयोजक राकेश निषाद, जिला प्रमुख डा. गोविन्द भगत, जिला प्रमुख महिला विंग नन्दनी बौद्ध, राष्ट्रहित में भी अत्यंत आवश्यक है। मोस्ट कल्याण संस्थान ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पारित यूजीसी कानून 2026 को महिलाओं, पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं वंचित समाज के हित में यथावत लागू रखा जाए एवं सामाजिक न्याय,

शिक्षकों के हित के लिए सड़क से सदन तक हमेशा लड़ता रहूंगा- विधायक ध्रुव

सुलतानपुर (आरएनएस)। आज क्षत्रिय भवन में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ सुल्तानपुर का जनपदीय वार्षिक सम्मेलन का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में गोरखपुर अयोध्या से शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि प्रदेशीय मंत्री नरेन्द्र प्रताप वर्मा द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए जिला मंत्री अरुण कुमार सिंह द्वारा कहा गया कि संगठन हमेशा शिक्षकों की लड़ाई के लिए संघर्षशील हैं। साथ ही कहा कि संगठन पर विश्वास कर आप साथ दे सदन तक लड़ाई जारी रहेगी। जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने कहा कि पहले के समय में शिक्षक संघर्ष पर विश्वास

करता था और काफी उपलब्धियां हासिल की लेकिन अब कही न कही संघर्ष में कमी आई है जिसके कारण हमारी सभी उपलब्धियां हमसे छीनी जा रही हैं. हमको समय देना होगा, संघर्ष में आगे आना होगा। तभी हम सब के शिक्षक विधायक सदन में अपनी बातों को जोरदार ढंग से सरकार के समक्ष रखेंगे। ‘मुख्य अतिथि ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने कहा कि अगर आप सभी शिक्षकों का साथ मिलता रहा तो हम सरकार से शिक्षकों के हित में सड़क से सदन तक लड़ता रहूंगा और जरूरत पड़ी तो हम जेल में भी जाने को तैयार है, उन्होंने कहा कि शिक्षकों के संघर्षों से प्राप्त सारी उपलब्धियां शिक्षक विरोधी यह सरकार की दर्जी के कैंडी की तरह काट रही है चाहे बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और

उच्च शिक्षा सभी में सरकार की पैनी नजर है, शिक्षक चाणक्य के वंशज, राष्ट्र निर्माता है आप को

जारी कर लागू कराने का प्रयास करता रहता है सरकार शिक्षा में नए नए बदलाव कर शिक्षकों को



सोचना होगा कि हम कहा थे कहा है और कहा रहेंगे, अगर हम जाति धर्म में बंटते रहे तो हमको सरकार का दंश झेलना पड़ेगा। चाहे तदर्थ शिक्षक का सेवा की बात हो, सेवा सुरक्षा की बात हो, सरकार बिना कुछ सोचे हिटलर जैसा आदेश

अनावश्यक परीक्षा देने पर मजबूर कर रही है, हम सभी को सोचना होगा विचार करना होगा शिक्षक हित में जो लड़ाई लड़ रहा है उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना होगा।

भागवत कथा में कृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग का मंचन कथा के छठे दिन उमड़ी भक्तों की भीड़

सुल्तानपुर (आरएनएस)। जिले के वीरशाह का पूरा नानेमऊ में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कृष्ण और रुक्मिणी विवाह का प्रसंग धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। कथावाचक आचार्य पं. हिमांशु मिश्र महाराज ने उद्भव चरित्र, महारासलीला और रुक्मिणी विवाह का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों की कामना पूरी करने के लिए महारास का आयोजन किया था। महारास के लिए शरद पूर्णिमा की रात को यमुना तट पर गोपियों को बुलाया गया। कृष्ण की बांसुरी की धुन सुनकर सभी गोपियां वासना रहित प्रेम भाव से उनके पास पहुंचीं। वृंदावन के निधिवन को वह स्थान माना जाता है, जहां श्रीकृष्ण ने महारास रचाया था। इस लीला में जितनी गोपियां थीं, उतने ही श्रीकृष्ण के प्रतिरूप प्रकट हुए, जिससे सभी गोपियों को उनका कृष्ण मिल गया और दिव्य नृत्य व प्रेमानंद शुरू हुआ। रुक्मिणी विवाह का वर्णन करते हुए आचार्य ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने सभी राजाओं को पराजित कर विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी से द्वारका में विधिपूर्वक विवाह किया था। इस अवसर पर आयोजक द्वारा आकर्षक वेश-भूषा में श्रीकृष्ण व रुक्मिणी विवाह की झांकी प्रस्तुत की गई, जिसमें विवाह संस्कार की रस्मों को पूरा किया गया। कथा के साथ-साथ भजन-संगीत का भी आयोजन हुआ। कथा के छठे दिन मुख्य यजमान राम शिरोमणि शर्मा एवं उर्मिला शर्मा सुरेंद्रचंद्र शर्मा, चन्द्रप्रकाश शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, राहुल, रवि प्रकाश, अमित, शैलेंद्र, विवेक, प्रशांत, सागर, विकास, अनुराग, अभिषेक, दिव्यांशु, आकाश, विष्णु, विराट, नैतिक, विराज, अमन सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

द्वितीय चरण की यात्रा में अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक सहयोग से सपाईयों में खुशी

सुलतानपुर। पीडीए जागरण एवं सम्मान यात्रा के पांचवें व अंतिम दिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक ‘अनूप संडा’ ने कहा ने कहा कि ‘भाजपा सरकार में हर वर्ग पीड़ित और प्रताड़ित है। सरकार के आंकड़े झूठे और फर्जी हैं। भाजपा झूठे आंकड़ों से जनता को गुमराह करती है। सरकार हर मोर्चे पर नाकाम है। दलितों, महिलाओं के साथ उत्पीड़न और अन्याय चरम पर है। इस सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। अपनी नाकामी छिपाने के लिए पीड़ितों पर दबाव बनाकर समझौता कराया जाता है। अपराध णी तत्वों को सरकार का संरक्षण है। भाजपा सरकार सामंती मानसिकता से कार्य कर रही

है। संविधान और कानून नहीं मान रही है। सत्ता के संरक्षण में यह सरकार झूठ बोलकर फूट डालती है फूट डालकर लूट करती है, दबंग गरीबों की जमीनें छीन रहे हैं। तरह-तरह से परेशान कर रहे हैं। सरकारी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं। भाजपा भूमिफिओं के साथ है। भाजपाई सरकारी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं और बजट लूट रहे हैं। पूरे प्रदेश में अराजकता है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर गरीबों और पीडीए की आवाज को दबा रही है। भाजपा पीडीए की एकजुटता से घबराई हुई है। पीडीए के लोगों की नौकरियां और आरक्षण छीना जा रहा है। भाजपा पीडीए को कमजोर करने का षड्यंत्र कर रही है। प्रदेश की जनता भाजपा



सरकार के भ्रष्टाचार, जातीय उत्पीड़न, भेदभाव, अन्याय के त्रस्त हो चुकी है। तथा जनता के बीच भाजपा के झूठे वादों की पोल खुल चुकी है। भाजपा पूरी तरह बेनाकाब हो चुकी है। जनता 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाकर अन्याय, अत्याचारों शासन का अंत कर देगी। द्वितीय चरण की यात्रा के अंत में ‘अनूप संडा’

ने क्षेत्र की जनता एवं साधियों का तन, मन, धन से सहयोग के लिए आभार एवं अभिवादन किया। जिन्होंने कदम से कदम मिलाकर समाजवादी जनजागरण में अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक सहयोग किया तथा तृतीय चरण की यात्रा इससे भी अधिक जोर शोर से निकालने के लिए युवाओं का आह्वान किया।

मछुआरों के लिए 31 जनवरी को वृहद पंजीकरण शिविर

बाराबंकी। मछुआ समुदाय एवं मत्स्य व्यवसाय से जुड़े (नाविकों, मत्स्य शिकारमाही करने वाले, मत्स्य विकेताओं) तथा मत्स्य पालन इच्छुक व्यक्तियों हेतु दिनांक 31 जनवरी, 2026 को प्रातः 10. 00 बजे से क्रमशः मत्स्य विभाग सत्य प्रेमीनगर, बाराबंकी कार्यालय, ग्राम–महमूदपुर

तहसील नवाबगंज, ग्राम शरीफाबाद तहसील–नवाबगंज, ग्राम–सिसौड़ा तहसील रामनगर जनपद बाराबंकी मेंनिशुल्क शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेट फार्म (एन०एफ०डी०पी०) तथा मछुआ दुर्घटना बीमा योजना हेतु आनलाइन पंजीकरण किया जायेगा तथा किसान

निर्वाचन आयोग के अनुषण कार्य करें विशेष रोल प्रेक्षक

जौनपुर(आरएनएस)। संयुक्त सचिव, युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार विशेष रोल प्रेक्षक कुणाल (एस.आई.एस.) की अध्यक्षता में गहन विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में ईआरओ एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में अर्हता तिथि 01 जनवरी, 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) से संबंधित कार्यों को लेकर समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा हुई तथा सुझाव लिये गये। रोल प्रेक्षक को जिला निर्वाचन अधिकारी ने अवगत कराया कि एसआईआर के दौरान निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार घर–घर गणना पत्रों का वितरण किया गया, डिजिटाइजेशन किया गया तथा मृतक, अनुपस्थित, शिफटेड के डाटा को अनमैप्ड की श्रेणी में रखा गया। 06 जनवरी को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया गया। एसआईआर के दौरान सभी राजनैतिक दलों के साथ लगातार बैठक कर अद्यतन जानकारी दी गई। प्रेक्षक द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से फीडबैक भी लिया गया, बताया गया कि एसआईआर के कार्यों के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी के कुशल नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा पूरा सहयोग प्राप्त हुआ। विशेष रोल प्रेक्षक ने सभी ईआरओ को निर्देश दिया कि राजनैतिक दलों के साथ समन्वय कर एसआईआर के कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पादित करें। उन्होंने सभी ईआरओ से विधानसभावार मैपिंग की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली तथा जनसुनवाई केंद्र बनाकर अनमैप्ड मतदाताओं के साक्ष्य मिलान हेतु सुनवाई किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी ईआरओ, ईईआरओ के साथ बैठक भी अवश्य कर ले। प्रेक्षक द्वारा अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि मुख्य विकास अधिकारी मुख्य राजस्व अधिकारी ज्वाइंट मजिस्ट्रेट , नगर मजिस्ट्रेट सभी संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

सी.सी. सड़क का लोकार्पण, ग्रामीण विकास को मिली नई गति

जयसिंहपुर२सुल्तानपुर (आरएनएस)। विकास खंड जयसिंहपुर में ग्रामीण विकास को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई। जिला पंचायत सुल्तानपुर की निधि से 15वें वित्त आयोग की अन्टाइड डाट योजना के अंतर्गत निर्मित सी.सी. सड़क का विधिवत लोकार्पण किया गया।

पिच रोड राहिल पारा से कलवार बस्ती तक बनी सी.सी. सड़क का उद्घाटन जिला पंचायत अध्क्ष प्रतिनिधि एवं बल्दीराय ब्लॉक प्रमुख शिवकुमार सिंह ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिला पंचायत का निरंतर प्रयास है कि ग्रामीण

क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं मजबूत हों। शिवकुमार सिंह ने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास

की आधारशिला होती हैं। बेहतर सड़कें न केवल आवागमन को

तरक्की से ही जिले का समय विकास संभव है। लोकार्पण समारोह के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने सी.सी. सड़क निर्माण से आवागमन में होने वाली सुविधा पर खुशी जताई और जनप्रतिनिधि यों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य पवन कुमार, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील कुमार सिंह, प्रदीप मिश्र, अजीत सिंह हैप्पी, शिवेंद्र प्रताप सिंह, गोली सिंह, मुन्नु सिंह, सोनू सिंह, गुड्डू रामप्रताप शुक्ल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सुगम बनाती हैं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार के अवसरों को भी बढ़ावा देती हैं। गांवों की

सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक ने किया मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलों का निरीक्षण

बाराबंकी राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक बलवन्त सिंह यादव ने जनपद में संचालित विभिन्न मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलों का औचक निरीक्षण मानको की जांच की। इस दौरान दस्तावेजों, वाहनों की स्थिति, प्रशिक्षकों की योग्यता और मान्यता नियमों की गहनता से निरीक्षण कर कमियां मिलने पर सुधार करने और नियमों का उल्लंघन मिलने पर कार्यवाही की चेतावनी भी दी। आज बृहस्पतिवार को सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक श्री यादव ने ए टू जेड मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल कबीरपुर, जे0पी ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूल, न्यू महावीरा मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग स्कूलो का निरीक्षण करते हुये ट्रेनिंग गुणवत्ता, पत्रावलियों एवं ड्राइविंग सिखाने के लिए योग्य प्रशिक्षकों की उपस्थिति की जांच करते हुये सरकार द्वारा निर्धारित मानकों का पालन किये जाने को लेकर निर्देशित किया। तो वही सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अंकिता शुक्ला ने विभिन्न मार्गों में चेकिंग के दौरान 3 ओवरलोड वाहन व 1 अनाधिकृत रूप से संचालित बस संख्या य0पी 50 ई0टी 8770 पर मानको का उल्लंघन मिलने पर सीज किया। तथा अन्य अभियोगो में 35 चालान किये।



आरोपों से उभर उठे राजनीति के ‘दादा-पुरुष’

अजित पवार का जीवन किसी राजसी विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन का पर्याय मानते थे, को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रही।यह खबर केवल एक व्यक्ति के निधन की नहीं है, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति के एक पुरे युग के अचानक थम जाने की सूचना है। 28 जनवरी 2026 की सुबह जब बारामती में हुए विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित अनंतराव पवार के असामयिक निधन की पुष्टि हुई, तो वह क्षण न केवल पवार परिवार के लिए नहीं, बल्कि समूचे महाराष्ट्र और देश

सम्पादकीय

हर रोज नई उम्माई

सोने और चांदी की कीमतों में जबर्दस्त उछाल का सीधा संबंध विश्व अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल से है, जिससे दुनिया की आर्थिक, वित्तीय, एवं मौद्रिक व्यवस्थाओं में दीर्घकालिक परिवर्तन की संभावना ठोस रूप ले रही है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव नाटकीय ढंग से बढ़ रहा है। इस गति की अपेक्षा उन लोगों को भी नहीं थी, जो अंतरराष्ट्रीय कारोबार की मुद्रा के रूप में डॉलर के भविष्य को लेकर आशंकित रहे हैं। सोमवार को न्यूयॉर्क में प्रति औंस सोने का भाव 5000 डॉलर के ऊपर चला गया। भारत में प्रति दस ग्राम सोने की कीमत एक लाख 66 हजार रुपये से अधिक हो गई है। इसी के साथ चांदी के भाव में बेहद तेज उछाल आया है। सोमवार को भारत में प्रति किलोग्राम चांदी का भाव तीन लाख 60 हजार रुपये से अधिक दर्ज किया गया।

इन दोनों धातुओं की कीमत में जबर्दस्त उछाल का सीधा संबंध 1 विश्व अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल से है, जिससे वैश्विक आर्थिक, वित्तीय एवं मौद्रिक व्यवस्थाओं में दीर्घकालिक परिवर्तन की संभावना ठोस रूप ले रही है। वैसे तो यह ट्रेंड कई साल पहले शुरू हो गया था, लेकिन 2025 में विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंकों के सोना खरीदने की होड़ काफी तेज हो गई। ऐसा पहली बार हुआ है कि सभी देशों को मिला कर देखें, तो उनके सेंट्रल बैंकों के विदेशी मुद्रा भंडार में मौजूद सोने की कीमत उनके भंडार में मौजूद डॉलर की कीमत से अधिक हो गई है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय भुगतान में डॉलर अब भी सबसे बड़ा माध्यम है, लेकिन आनुपातिक रूप से इसके हिस्से में गिरावट आई है। इस बीच डॉलर ट्रंप की नीतियों ने डॉलर को लेकर निवेशकों में अविश्वास और बढ़ाया है, जिस वजह से वे डॉलर संपत्तियां बेच कर सोना और चांदी खरीद रहे हैं। उनमें यह धारणा मजबूत होती जा रही है कि देर-सबेर गोल्ड स्टैंडर्ड वापस आएगा, जिसमें मुद्राओं की कीमत संबंधित देश के भंडार में मौजूद सोने से तय होगी। जिंबाब्वे ने अपनी मुद्रा को स्वर्ण से जोड़ कर मुद्रास्फीति दर घटाने में अप्रत्याशित सफलता पाई है। इससे यह संदेश मजबूत हुआ है कि दुनिया एक बड़े बदलाव के मुहान पर है। मगर इस परिघटना का सबसे ज्यादा नुकसान भारत जैसे देशों के आम लोगों को हुआ है। सोना हर रोज उनकी पहुंच से और अधिक बाहर होता जा रहा है।

भाजपा की राजनीतिक योजना क्या है?

तो समझना चाहिए कि उसे उसी तरह से प्लान किया गया है। यानी उसकी योजना ऐसी बनी है कि वह अनप्लॉड लगे। यह बात अमेरिका के एक राष्ट्रपति ने कही थी। पूरी दुनिया की राजनीति पर यह बात समान रूप से लागू होती है। तभी प्रयागराज में शंकराचार्य को लेकर जो कुछ हो रहा है और उसके बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी का जो नया नियम लाया गया हैं उसे अनायास हुए नहीं मानना चाहिए। सरकार ने किसी योजना के तहत यूजीसी के नए नियम लागू किए हैं। उसने सामान्य वर्ग को अलग थलग करने और उसे उत्पीड़क साबित करने का जो नियम बनाया है वह संयोग नहीं है, बल्कि किसी प्रयोग का हिस्सा है।

इस समय पूरे देश में यूजीसी की ओर से लाए गए सामानता के नए नियम पर विवाद हो रहा है। यूजीपी ने प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीच्यूट रेगुलेशन 2026 के नाम से नए नियम जारी किए हैं। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव खत्म करना बताया गया है। इस तरह का एक नियम 2012 में बना था, जो पहले से उपलब्ध था। उसमें कुछ बदलाव करके उसे नए रूप में प्रस्तुत किया गया है। 2012 के नियम में सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति यानी एससी और एसटी को उत्पीड़न से बचाने का प्रावधान किया गया था। अब उसमें अन्य पिछड़ी जातियों यानी ओबीसी को भी जोड़ दिया गया है। साथ ही महिलाएं और दिव्यांगजनों को भी शामिल किया गया है। महिलाओं और दिव्यांगों में हर वर्ग के छात्र शामिल होंगे।इसका मतलब है कि सामान्य वर्ग के एक छोटे से समूह को पहले से ही अत्याचारी या उत्पीड़क मान कर बाकी लोगों को उससे बचाने का प्रावधान किया गया है। 2012 के कानून में भेदभाव या उत्पीड़न की फर्जी शिकायत करने पर कार्रवाई का प्रावधान था, जिसे नए नियमों में हटा दिया गया है। यानी एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और दिव्यांग अगर चाहें तो किसी भी सामान्य वर्ग के छात्र के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज करा सकते हैं और शिकायत गलत पाए जाने पर उनके खिलाफ किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं हो सकती है। हर संस्थान में इक्विटी कमेटी और इक्विटी रिवॉयंड बनाने का प्रावधान किया गया है, जिसमें बदलाव करके यह नियम बनाया गया है कि इसमें सामान्य वर्ग के किसी व्यक्ति को रखना अनिवार्य नहीं होगा।

सोचें, क्या इससे भी ज्यादा भेदभाव या असमानता की कोई व्यवस्था हो सकती है? इसमें एक समूह को पहले से अपराध पी मान कर उसके देश के योग्य ठहरा दिया गया है। यह सामाजिक विद्वेष बढ़ाने वाला नियम है, जो कानून विरुद्ध है और संविधान विरुद्ध है। यह प्राकृतिक न्याय के मूल सिद्धांत के भी विरुद्ध है। भारत सरकार ने जब अंग्रेजों के जमाने की भारतीय दंड संहिता समाप्त की और उसकी जगह भारतीय न्याय संहिता लागू की तो कहा कि अंग्रेजों ने दंड का प्रावधान किया था लेकिन अब सरकार न्याय की व्यवस्था ले आई है।क्या यही न्याय की व्यवस्था है कि आप एक समूह को पहले से अपराधी मान लेंगे?

विरासत की सहज कहानी नहीं था। 22 जुलाई 1959 को अहमदनगर जिले के देओली प्रवरा क्षेत्र में जन्मे अजित पवार ने जीवन को बहुत करीब से संघर्ष करते हुए देखा। उनके पिता अनंतराव पवार फिल्म जगत से जुड़े रहे, राजकमल स्टूडियो में काम किया, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियां साधारण रहीं।औपचारिक शिक्षा माध्यमिक स्तर तक ही सीमित रही, किंतु जीवन की व्यावहारिक पाठशाला ने उन्हें वह सिखाया जो बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान भी नहीं सिखा पाते। शायद यही कारण रहा कि अजित पवार की राजनीति किताबों से नहीं, जमीन से निकली हुई राजनीति थी, जिसमें किसानों की पीड़ा, सहकारी संस्थाओं की ताकत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की नब्ज साफ दिखाई देती थी। राजनीति में उनका प्रवेश किसी बड़े मंच से नहीं, बल्कि सहकारी आंदोलन की प्रयोगशाला से हुआ। 1982 में मात्र बीस वर्ष की आयु में उन्होंने एक चीनी सहकारी संस्था का चुनाव लड़ा। यह वही दौर था जब महाराष्ट्र की राजनीति में सहकारी संस्थाएं सत्ता की रोड़ मानी जाती थीं। अजित पवार ने बहुत जल्दी समझ लिया कि यदि ग्रामीण महाराष्ट्र को

सरल नहीं पर प्रभावशाली थे, आदर्शवादी नहीं पर निर्णायक थे अजित पवार

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है। छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग-अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव हुआ एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद सरकारों की गलियों में शायद ही कभी

जनाब ओवैसी, कैथोलिक कार्डिनल से जाने सच्चाई

शंकर शरण

बिशप कार्डिनल ने बाकायदा एक आयोग बनाकर इस मामले की पड़ताल करवाई। उस की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2005 से 2012 के बीच ही लव-जिहाद के लगभग चार हजार मामले हुए। केरल में इस्लामिक पोपुलर फ्रंट्य की छात्र शाखा स्कैपस फ्रंट्य ने असंख्य क्रिश्चियन और हिन्दू लड़कियों को जाल में फँसा कर उन्हें मुसलमान बनाया है।ज कभी मौलाना मदनी द्वारा जिहाद को शपथित्र कहकर नाराजी दिखाना, तो कभी ओवैसी द्वारा शलव-जिहाद पर तंज कर चुनौती देना हिन्दू नेताओं की असंलिप्त दिखाता है।आर.एस.एस. को चुनौती देकर ओवैसी का मजा लेना है।आखिर क्यों नहीं! ये अज्ञान और डर, दोनों प्रभाव से जीते है।लव-जिहाद की पहचान और पैमाना दृ।गत 5 जनवरी प्रखर मुस्लिम नेता असजुद्दीन ओवैसी ने आर.एस.एस. नेता मोहन भागवत को चुनौती दी कि शलव जिहाद

साधना है तो उसे बैंक, चीनी मिल, सिंचाई और बिजली से जोड़ना होगा। यही समझ आगे चलकर उनकी राजनीतिक पहचान की सबसे बड़ी ताकत बनी।1991 अजित पवार के राजनीतिक जीवन का निर्णायक वर्ष रहा। पुणे जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बनने के साथ ही उन्होंने वित्तीय प्रशासन और संगठन संचालन में अपनी दक्षता का परिचय दिया। सोलह वर्षों तक इस पद पर बने रहना अपने आप में उनकी विश्वसनीयता और पकड़ को दर्शाता है। उसी वर्ष बारामती से लोकसभा के लिए निर्वाचित होना उनके बड़ते कद का प्रमाण था, लेकिन उन्होंने यह सीट अपने चाचा शरद पवार के लिए छोड़ दी। यह फैसला केवल पारिवारिक निष्ठा का नहीं, बल्कि राजनीतिक दूरदृष्टि का भी उदाहरण था। इसके बाद विधानसभा में प्रवेश और फिर लगातार बारामती से जीत ने उन्हें जनाधार का वह आधार दिया, जिसे महाराष्ट्र की राजनीति में विरले ही कोई चुनौती दे सका। अजित पवार को सत्ता के गलियारों में पहुंचाने वाली सबसे बड़ी विशेषता उनकी प्रशासनिक

उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चित रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती।अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह ाजिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ।राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले

परिभाषितच करें। क्योंकि इन्होंने अपने किसी भाषण में इस का उल्लेख किया था। ओवैसी ने भाजपा से भी माँग की कि, श्रगर देश में लव जिहाद हो रहा, तो इस के आँकड़े संसद में देच।पर ओवैसी की चुनौती अनुरित रही। अधिकांश संघ-भाजपा नेता मुहावरों, जुमलों, आध ि-अधुरी बातों तक ही रहते हैं। किन्तु ओवैसी भी गर शलव-जिहादकी की सच्चाई जानना चाहते तो अपनी माँग कैथोलिक बिशप कार्डसिल ऑफ इंडिया और सीरियन मलाबार चर्च से करते। लव-जिहाद का मामला सब से पहले भारत के क्रिश्चियन नेताओं ने उठाया था। वे वर्षों से इस पर लड़ रहे हैं। जो हिन्दू-ज़ैन-क्रिश्चियन-सिख समाज के अस्तित्व से जुड़ा है।आखिर, इस्लाम धर्मा दुनिया भर में अनेक जगह दूसरे धर्म-समाज को खत्म कर देना ऐतिहासिक सचाई है, इस पर मुस्लिम उलेमा, लीडर फख भी करते हैं। फारस,



पकड़ थी। कृषि, बागवानी, बिजली और जल संसाधन जैसे कठिन और संवेदनशील विभागों को संभालते हुए उन्होंने विकास और विवाद दोनों को नजदीक से जिया। जल संसाधन मंत्री के रूप में कृष्णा घाटी और कोकण सिंचाई परियोजनाओं से उनका नाम जुड़ा। इन परियोजनाओं ने जहां किसानों के लिए पानी और उम्मीद का संदेश दिया, वहीं आलोचनाओं और आरोपों का बोझ भी उनके कंधों पर रखा। इसके बावजूद वे उन नेताओं में रहे जो फाइलों से नहीं, फैसलों से पहचाने जाते थे। उपमुख्यमंत्री के रूप में उनका सफर महाराष्ट्र की राजनीति में

एक अनोखा अध्याय है। छह बार इस पद तक पहुंचना केवल राजनीतिक संयोग नहीं था, बल्कि सत्ता संतुलन, गठबंधन राजनीति और संगठनात्मक ताकत का परिणाम था। वे सरकार में अक्सर संकटमोचक की भूमिका में दिखे। बजट, वित्तीय प्रबंधन और संसदीय रणनीति में उनकी पकड़ ऐसी थी कि विरोधी भी उनके अनुभव को नजरअंदाज नहीं कर पाते थे। उन्हें महत्वाकांक्षी कहा गया, कभी-कभी कठोर और रूखे स्वभाव का नेता भी बताया गया, लेकिन यह भी सच है कि सत्ता की वास्तविकता को वे भावनाओं से नहीं, निर्णयों से देखते थे।

आगे का रास्ता है।अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अजित पवार ने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया। गठबंधनों के बदलते दौर में भी अपनी उपयोगिता और असर बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रही। अजित पवार चूंकि केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ एनडीए के प्रमुख घटक थे इसलिए उनका निधन बड़ा राजनीतिक नुकसान भी है।देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार-बार ओखिम लेने के लिए प्रेरित किया। 2023 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंनेअचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया।

जाने सच्चाई

आयोग बनाकर इस मामले की पड़ताल करवाई। उस की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2005 से 2012 के बीच ही लव-जिहाद के लगभग चार हजार मामले हुए। केरल में इस्लामिक पोपुलर फ्रंट्य की छात्र शाखा स्कैपस फ्रंट्य ने असंख्य क्रिश्चियन और हिन्दू लड़कियों को जाल में फँसा कर उन्हें मुसलमान बनाया है। अतरु यदि किसी संघ-भाजपा सांसद को इस पर तनिक भी चिन्ता हो, तो वह बिशप कार्डसिल की रिपोर्ट के ही आंकड़े संसद में पेश करें कृ ताकि ओवैसी की चुनौती को वाक-ओवर न मिले।राजनीति में ऐसी स्थितियाँ जन्मता के बीच धारणाएं बनाती हैं। उन धारणाओं के परिणाम होते हैं। अतरु संघ-भाजपा नेताओं को अपनी ही बातों पर भागना नहीं चाहिए। वह भी इतना गंभीर मुद्दा, जो हिन्दू-ज़ैन-क्रिश्चियन-सिख समाज के अस्तित्व से जुड़ा है।आखिर, इस्लाम धर्मा दुनिया भर में अनेक जगह दूसरे धर्म-समाज को खत्म कर देना ऐतिहासिक सचाई है। इस पर मुस्लिम उलेमा, लीडर फख भी करते हैं। फारस,

विवाद उनके राजनीतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे। सिंचाई घोटाले से लेकर बयानबाजी तक, कई मौके ऐसे आए जब उनकी छवि पर प्रश्नचिह्न लगे। “अगर बांध में पानी नहीं है तो क्या पेशाब करके भरें?” जैसे बयान ने उन्हें आलोचनाओं के केंद्र में ला खड़ा किया। उन्होंने माफी भी मांगी, सफाई भी दी और समय के साथ उन विवादों से उबरते हुए फिर सत्ता के शीर्ष पर लौटे। यह उनकी राजनीतिक जिजीविषा का प्रमाण था कि आलोचना और आरोप उन्हें रोक नहीं पाए।

शरद पवार के साथ उनके रिश्ते को लेकर भी हमेशा चर्चाएं रहीं। कभी मतभेद, कभी दूरी और कभी सियासी आलग राह की अटकलें। लेकिन अजित पवार स्वयं को हमेशा शरद पवार का अनुयायी बताते रहे। उन्हें मिला “दादा” का संबोधन केवल पारिवारिक नहीं था, बल्कि वह एक राजनीतिक ब्रांड बन चुका था, जो उनके समर्थकों में भरोसे और नेतृत्व की भावना जगाता था। वे संगठनकर्ता भी थे और प्रशासक भी, रणनीतिकार भी और जमीनी नेता भी। उन्हें अपनी विविध आयामी भूमिकाओं से अपने को मिले ‘दादा’ के अलंकरण को सार्थक भी किया और जीवंतता भी दी। उनका असामयिक निधन एक क्रूर विडंबना है। जिस नेता ने दशकों तक सत्ता की उभर भरी, उसकी जीवन यात्रा एक विमान हादसे में थम गई। कहा जाता है कि दुर्घटना से

आज का राशिफल

मेष राशि

मंगलवार को मेष राशि वालों के लिए दिन ऊर्जा और उत्साह से भरा रहेगा है। सुबह के समय नए कार्यों को शुरू करने की इच्छा प्रबल रहेगी और आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ महसूस होगा।

वृषभ राशि

वृषभ राशि के जातकों के लिए दिन थोड़ा उलझन भरा हो सकता है। कुछ काम अपेक्षा के अनुसार पूरे न होने से मन असंतुष्ट रह सकता है। कार्यस्थल पर दबाव अधिक महसूस होगा, जिससे मानसिक थकावट बढ़ सकती है।

मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों के लिए यह दिन सक्रियता और संपर्कों से भरा रहेगा। पारिवारिक और व्यावसायिक दोनों मोर्चों पर व्यस्तता बनी रहेगी। कोई नया अवसर या जिम्मेदारी मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों के लिए यह दिन जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए प्रयासों की शुरुआत हो सकती है, लेकिन शुरुआत में दिशा को लेकर असमंजस महसूस होगा।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों के लिए दिन की शुरुआत कुछ भारीपन के साथ हो सकती है। मानसिक तनाव या चिंता के कारण एकाग्रता प्रभावित हो सकती है। दोपहर के बाद परिस्थितियों में सुधार आएगा और पारिवारिक माहौल सुखद बनेगा।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए यह दिन संयम और धैर्य की मांग करेगा। नए कार्यों या लंबी यात्राओं को फिलहाल टालना बेहतर रहेगा। मानसिक रूप से आप अंतर्मुखी रह सकते हैं और आध्यात्मिक विषयों की ओर झुकाव बढ़ सकता है।

तुला राशि

तुला राशि वालों के लिए मंगलवार का दिन सकारात्मक शुरुआत के साथ आएगा। नया काम शुरू करने या किसी योजना पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह दिन बौद्धिक गतिविधियों और योजनाओं में व्यस्त रहने वाला है। धन से जुड़े मामलों में समय अनुकूल है और व्यापार में लाभ मिलने की संभावना है।

धनु राशि

धनु राशि वालों को मंगलवार को स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। मेहनत के बावजूद अपेक्षित परिणाम न मिलने से निराशा हो सकती है।

मकर राशि

मकर राशि के जातकों के लिए यह दिन भावनाओं पर नियंत्रण रखने का है। जमीन-जायदाद या दस्तावेजों से जुड़े मामलों में सतर्कता जरूरी रहेगी।

कुंभ राशि

कुंभ राशि वालों के लिए दिन नए विचारों और योजनाओं से भरा रहेगा। हालांकि किसी बड़े निर्णय को लेने से पहले रुककर सोचने की जरूरत होगी।

मीन राशि

मीन राशि के जातकों के लिए मंगलवार को आर्थिक मामलों में सतर्कता जरूरी रहेगी। खर्च बढ़ने से चिंता हो सकती है और आय बढ़ाने के नए विकल्पों पर विचार करेंगे। कार्यक्षेत्र में

कुछ समय पहले तक वे पूरी तरह सक्रिय थे, योजनाओं, बैठकों और राजनीतिक समीकरणों में व्यस्त। यह अचानक आई मृत्यु उस अनिश्चितता को रेखांकित करती है, जो सत्ता और जीवन दोनों के साथ जुड़ी है।अजित पवार का व्यक्तित्व एवं कृतित्व सफल राजनेता, समाज निर्माता, ग्राम-उद्धारक, सहकारी आन्दोलन पुरोधा, कुशल प्रशासक के रूप में अनेक छवि, अनेक रंग, अनेक रूप में उभरकर सामने आता हैं। आपके जीवन की दिशाएं विविध एवं बहुआयामी थीं। आपके जीवन की धारा एक दिशा में प्रवाहित नहीं हुई, बल्कि जीवन की विविध दिशाओं का संपर्क किया। यही कारण है कि कोई भी महत्वपूर्ण क्षेत्र आपके जीवन से अछूता रहा हो, संभव नहीं लगता। आपके जीवन की खिड़कियाँ समाज एवं राष्ट्र को नई दृष्टि देने के लिए सदैव खुली रही। उनकी सहजता और सरलता में गोता लगाने से ज्ञात होता है कि वे राजनीतिक सरोकार से ओतप्रोत एक अल्ट्रा एवं साहसिक व्यक्तित्व थे। बेशक अजित पवार अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने जुझार राजनीति जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति एवं राष्ट्रवादी सोच के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। आज जब महाराष्ट्र और देश उनके निधन पर शोकाकुल है, तब अजित पवार का मूल्यांकन केवल प्रशंसा या आलोचना के तराजू पर नहीं किया जा सकता। वे विवादों से घिरे रहे, लेकिन उनसे परिभाषित नहीं हुए। उनकी राजनीति कठोर थी, लेकिन उसमें अनुभव की गहराई थी। वे लोकप्रियता से अधिक प्रभाव में विश्वास रखते थे। शायद यही कारण है कि उनके जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में एक ऐसा सन्नाटा है, जिसे शब्दों में बांधना कठिन है। अजित पवार का जीवन यह सिखाता है कि राजनीति केवल भाषणों और नारों से नहीं चलती, बल्कि निर्णय, जोखिम और जिम्मेदारी से चलती है। उनका जाना एक चेतावनी भी है और एक स्मृति भी, क्योंकि सत्ता क्षणभंगुर है, लेकिन अनुभव और प्रभाव लंबे समय तक याद किए जाते हैं।

मण्डलायुक्त ने मुख्यमन्त्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यों की माह दिसंबर 2025 की शासन स्तर से जारी ग्रेडिंग रैंकिंग की किया समीक्षा

आजमगढ़ (आरएनएस)मण्डलायुक्त विवेक की अध्यक्षता में मंडलायुक्त सभागार में मध्यमंत्रि डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यों की माह दिसंबर 2025 की शासन स्तर से जारी प्रेडिजिक्शिंग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा करते हुए आयुक्त महोदय ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि तत्परता से त्वरित कार्रवाई करते हुए सैकिंग एवं ग्रेडिंग में सुधार लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति में विशेष सावधानी रखें तथा किसी भी अपात्र व्यक्ति को छात्रवृत्ति का लाभ न दिया जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों की उपस्थिति का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी अपात्र छात्र को छात्रवृत्ति न मिलने पाए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण के मंडलीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जातिध्वजजाति के छात्रों को दशमोत्तर छात्रवृत्ति में विशेष ध्यान दें, जिससे सैकिंग एवं ग्रेडिंग और अच्छी हो।

उन्होंने कहा कि निराश्रित महिला एवं वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थियों का कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि तत्कालीनी आधार पर किसी भी लाभार्थी का आवेदन निस्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे संबंध में मुख्य विकास अधिकारी एवं जिलाधिकारी को भी अवगत कराते रहें आयुक्त ने कहा कि कन्या सुमंगला योजना के लंबित आवेदनों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। पीएम सूर्य धर योजना की समीक्षा करत हुए मंडलायुक्त महोदय ने कहा कि मंडल के तीनों जनपद बैंकिंग और ग्रेडिंग में सुधार लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बैंक के अधिकारियों से वार्ता करें तथा स्वीकृत किए गए लोन का वितरण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि यदि बैंक के अधिकारी कदा भी लाभार्थियों के उपेक्षण करते हैं तो उच्च स्तर से समन्वय स्थापित कर उसका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मंडलायुक्त ने कहा कि एकीकृत बागवानी के अर्गत आए हुए आवेदनों के सापेक्ष शत प्रतिशत अनुमोदन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि योजनागतग
को आवेदन अभी तक लंबित हैं,
उसको तत्काल खत्म करें। विद्युत
विभाग की समीक्षा करते हुए
मंडलायुक्त महोदय ने कहा कि
खराब ट्रांसफार्मर को बदलने
वाले आवेदनों को स्वीकृत करने
हुए उसका तत्काल निस्तारण
करें। उन्होंने कहा कि विद्युत
विभाग से संबंधित किसी भी प्रकार
का कोई आवेदन लंबित न रहे
उन्होंने कहा कि विद्युत बिल में
सुधार हेतु आने वाले आवेदन,
जो अभी तक लंबित हैं, उस पर
तत्परता से कार्रवाई सुनिश्चित
की जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत
बिल में सुधार हेतु आने वाले
आवेदन किसी भी दशा में बियॉड
टाइम न होने पाए। कृषि विभाग
द्वारा संचालित फसल बीमा
योजना की समीक्षा करते हुए
मंडलायुक्त ने कहा कि जितने
लोगों ने फसल बीमा के भुगतान
हेतु आवेदन किया है, उसका
तत्काल निस्तारण सुनिश्चित
करें। उन्होंने कहा कि फसल
बीमा योजना का व्यापक प्रचार
प्रसार करें तथा किसानों को
सुधारगुरुक किया जाए। उन्होंने
कहा कि फसल बीमा के भुगतान
में यदि एजेंसी द्वारा लापरवाही
की जाती है तो उनको बुलाकर
बात करें तथा किसानों के भुगतान
को सुनिश्चित किया जाए। प्रध
नानामंत्री आवस एवं मुख्यमंत्री
आवास की समीक्षा करते हुए
मंडलायुक्त ने कहा कि जिन
लोगों को अंतिम किस्त का
भुगतान किया जा चुका है, उनके
भवनों का निर्माण कार्य समय से
पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा
पहली एवं दूसरी किस्त पाने के
बाद लाभार्थियों के भवन की प्रगति
को देखते हुए तीसरी किस्त भी
जारी करने की कार्रवाई
सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्य
विभाग की समीक्षा करते हुए
मंडलायुक्त ने कहा कि एबुलेस
102 और 108 के औसत समय
में सुधार लाना सुनिश्चित करें।
उन्होंने कहा कि चिकित्सालय
में लेब टेस्ट में वृद्धि करें तथा
अधिक से अधिक सीटी स्कैन
चिकित्सालय में ही किया जाए।
उन्होंने कहा कि रात्रि में आने
वाले इमरजेंसी मरीजों के भी
सीटी स्कैन एवं अन्य जांच की
व्यवस्था प्रॉपर तरीके से
सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा

क चिकित्सालय में एक समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर बायोमेट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य रूप से शत प्रतिशत सुनिश्चित करें। सीटी स्कैन का कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय की साफ सफाई अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में कोई भी कर्मী एक ही स्थान पर लंबे समय तक पोस्ट न रहे। उन्होंने कहा कि डॉक्टर की नियुक्ति हेतु रिमांडर शासन को प्रेषित किया जाए। उन्होंने कहा कि जो भी भुगतान किया जाए, उसमें वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करें, मण्डलायुक्त ने कहा कि व्यक्तिगत शौचालय निर्माण को ज़ीरो पॉवर्टी अभियान के अंतर्गत सुनिश्चित कराया जाए। सामाजिक वानिकीकरण की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने कहा कि विभागवार सुनिश्चित किया जाए कि जो पौधे लगाए गए हैं, वह शत प्रतिशत जीवित रहें। उन्होंने कहा कि उच्च प्राथमिकता से जो पौधे जीवित नहीं हैं, उनको सामाजिक वानिकी विभाग से समन्वय स्थापित कर रिप्लेस करना सुनिश्चित करें।

मल्लयुक्त महादेय न कहा कि जिन विद्यालयों में फर्लाघ नहैं, वहां के लिए जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से शासन को पत्र प्रेषित करें। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत से भी औपस्थान कायम कर के तहत बाउंड्रीवॉल एवं अन्य छोटे-छोटे आवश्यक कार्य कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ग्राम मन्तरेण एवं राज्य वित्त आयोग की स्कूल के गेट एवं क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवॉलों को ठीक किया जाए। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया कि बच्चों की उपस्थिति एवं मिड-डे मील की गुणवत्ता का अवश्य निरीक्षण करें। उन्होंने कहा कि विद्यालय में अध्यापकों की उपस्थिति शत प्रतिशत समय से सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों में अनुशासन एवं आत्मविश्वास की वृद्धि करें। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान एवं खंड शिक्षा अधिकारी आपस में समन्वय कर विद्यालय में जो भी आवश्यकता है, उसको पूर्ण कराना आवश्यक है।

सुनिश्चित किया जाए।

शुभचिन्ता विभागों का समावेश करते हुए मंडलायुक्त महोदय ने कहा कि निराश्रित गोवंश के संरक्षण को पूरी संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गौ आश्रय स्थलों का प्रमाण करें तथा वहाँ की क्षमता के अनुसार गोवंश को संरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि पशुओं का शत प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सहभागिता योजनान्तर्गत दिए गए गौवंश का सत्यापन सुनिश्चित करने के बाद ही अनुदान की धाराशी जारी की जाए तथा इसके साथ ही सहभागिता योजना के अंतर्गत गोवंश की सुपुर्दगी में बढ़ोतरी सुनिश्चित करें। रिकल डेवलपमेंट योजना की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त महोदय ने कहा कि जो प्रशिक्षण केंद्र रिकल डेवलपमेंट के लिए चलाए जा रहा है, उसका निरीक्षण करें तथा अनिवार्य होंगी की उपस्थिति अनिवार्य बची चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्य विकास अधिकारी इसकी स्वयं मॉनिटरिंग करें तथा किसी भी स्तर से गलत रिपोर्टिंग नहीं होनी चाहिए इसलिये साथ ही मंडलायुक्त द्वारा कन्या विवाह, ओडीओपी टूल किट वितरण योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, विश्वकर्मा प्रम समान योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, पारिवारिक लाभ योजना, सेतुओं का निर्माण, सड़कों का अनुसंधान, आईसीडीएस, कन्या सुमंगला योजना एवं अन्य विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई। तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मंडलायुक्त महोदय ने पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में जनप्रतिआजमगढ़ को दूसरा स्थान प्राप्त होने पर जिलाधिकारी को बधाई दी। बैठक में जिलाधिकारी आजमगढ़ रविन्द्र कुमार, जिलाधिकारी बलिया मंगला प्रसाद सिंह, जिलाधिकारी मऊ प्रवीण मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी आजमगढ़ परीक्षित खटाना, मुख्य विकास अधिकारी बलिया आरुषवी राज, मुख्य विकास अधिकारी मऊ प्रशान्त नागर, अपर आयुक्त मण्डल आजमगढ़ एवं अन्य सभी विभागों के मंडलीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडलायुक्तकी अध्यक्षता में मंडलीय कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की गयी आयोजित

आजमगढ़ (आर एन एस)
मंडलायुक्त विवेक की अध्यक्षता
में आज मंडलायुक्त सभागार में
आजमगढ़ में पुलिस उप
महानिरीक्षक सुनील कुमार सिंह
की उपस्थिति में मंडलीय कानून
व्यवस्था की समीक्षा बैठक
आयोजित की गई। मंडलायुक्त
ने ऐलआईयू के अधिकारियों को
संदिग्ध व्यक्तियों का चिन्हीकरण
करने एवं अचानक अमरी हूट
व्यक्तियों के संबंध में जानकारी
प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने
कहा कि धार्मिक स्थलों के निर्माण
एवं पुनर्निर्माण, जिसमें संदिग्ध
व्यक्तियों द्वारा धन लगाया जा रहा
है, उसके संबंध में जानकारी प्राप्त
करें तथा अवगत कराते रहें। उन्होंने
कहा कि ऐसे संदिग्ध लोगों पर भी

नजर रखें जो अक्सर पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल या अन्य देशों की यात्रा करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नागरिक जो विलुप्त हो गए हैं, उसकी समीक्षा करने के संबंध में जानकारी एकत्र करें। मंडलायुक्त ने कहा कि बांग्लादेशी नागरिक, रोहिंया या यात्रा के अवैध तरीके से बसे हैं, उन पर नजर रखें तथा चिन्हित करना आवश्यक कार्रवाई भी करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कश्मीर से आए हुए संदिग्ध व्यक्तियों की भी निगरानी सुनिश्चित किया जाए तथा उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखें। उन्होंने कहा कि साइबर जबरन केफे एवं पीसीओ आदि पर भी नजर रखें। मंडलायुक्त ने कहा

के पासपोर्ट के लिए किए गए आवेदन की समीक्षा करें तथा सुनिश्चित की समा जाए कि किसी भी भी गलत व्यक्ति को यह सुविधा प्राप्त न हो। उन्होंने कहा कि पैसा के द्रांजैव्यन पर भी नजर रखें। उन्होंने कहा कि जनपद के टॉप 10 जो नए द्रांजैव्यन हो रहे हैं। उसकी भी निगरानी करें। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जिला प्रशासन के साथ समन्वय बनाए रखें तथा सूचनाओं का आपस में आदान-प्रदान करते रहें। पुलिस उपमहानिरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने कहा कि आगामी कुछ महीनों में पंचायत के चुनाव हो सकते हैं, इसलिए निगरानी करते रहें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ दिनों में शबे

बरात, शिवरात्रि, माघी पूरिमा का
स्नान पर्व होने वाले हैं, इसके दू-
स्टान्त लगातार निगरानी करेंगे।
एवं संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर
रखें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा
माल चल रहा है, इसलिए जामाना
लाने वाली किसी एक सड़क को
विश्विक्त करें तथा वहां ज़रूरी लगाते
हुए जाण्डमतिक्रमण आदि की
समस्याओं को दूर करें। बैठक में
जिलाधिकारी आजमगढ़ रविन्द्र
कुमार, जिलाधिकारी बलिया मंगला
प्रसाद सिंह, जिलाधिकारी मऊ प्रवीण
मिश्र, पुलिस अधीक्षक आजमगढ़
डॉ० अनिल कुमार, पुलिस अधीक्षक
बलिया अमवौर सिंह, पुलिस अधि-
क्षक मऊ ईलामानरन, एवं अन्य
अधिकारी भी उपस्थित थे।

परमार्थ फाउंडेशन की तरफ से कंबल वितरण का आयोजन

आजमगढ़ (आर एन एस)आजमगढ़ के विकास खण्ड ठेकमा के ग्राम पंचायत जामुआवा में परमार्थ फाउंडेशन की तरफ से कंबल वितरण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऋषिकांत राय चीनी मिल संघ उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश,और पूर्व ब्लाक प्रमुख ठेकमा भूपेंद्र सिंह मुन्ना थे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में महेंद्र राय, रविकांत राय, अनिल राय, और रविंद्र राय शामिल थे।इस अवसर पर, परमार्थ फाउंडेशन के ट्रस्टी बबीता राय, जेप्रसे री अनित वर्मा, आयोजक सरोजर राय, गौरव राय (सौरभ पेशोलॉजी), ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में 100 कंबल वितरण किया गया, जिससे जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत मिली।इस आयोजन का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की मदद करना और समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा देना था। मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि परमार्थ फाउंडेशन की इस पहल से समाज में एक अच्छा संदेश गया है और इससे जरूरतमंद लोगों को ठंड से बचाने में मदद मिली है।कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान, मुख्य अतिथियों ने जरूरतमंद लोगों को कंबल बांटे और उनकी समस्याओं को सुना। इस अवसर पर, परमार्थ फाउंडेशन के सदस्यों ने भी जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आने का संकल्प लिया।इस कार्यक्रम का आयोजन परमार्थ फाउंडेशन के संदेशों ने मिलकर किया था, जिसमें स्थानीय लोगों ने भी बड़-चड़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में, मुख्य अतिथियों ने परमार्थ फाउंडेशन को सदस्यों को उनके अच्छे स्वामी के लिए सम्मानित किया।इस अवसर पर सूर्यभाष राय भाजपा मंडल महामंत्री ठेकमा , सतीश राय, ओमप्रकाश राय, अंश राय, विजय राय, अरुण राय बबलू,दिनेश राय ,संदीप राय ,निखिल राय,सौरभ राय,आदि लोग उपस्थित रहे।

राजकीय इंजीनियरिंग कालेज में 30 जनवरी 2026 को मेगा जश्न फेयर का आयोजन

आसमगढ (आर एन एस)राजकीय इंजीनियरिंग कालेज नाउपुर देवागांव द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 30 जनवरी 2026 (शुक्रवार) को कॉलेज परिसर में एक दिवसीय जॉब फेयर का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में बुधवार को कालेज परिसर में एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें आयोजन से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा की गई। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो बी के त्रिपाठी ने बताया कि जॉब फेयर में देश की प्रतिष्ठित कंपनियों एवं उद्योग समूह भाग लेंगे, जो इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट एवं अन्य तकनीकी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष साक्षात्कार लेकर उन्हें रोजगार एवं इंटरशिप के अवसर प्रदान करेंगे। कुलसचिव डॉ अम्बरीष सिंह ने बताया कि यह जॉब फेयर न केवल राजकीय इंजीनियरिंग कालेज नाउपुर देवागांव के विद्यार्थियों के लिए, बल्कि आसपास के अन्य तकनीकी संस्थानों के छात्र-छात्राओं के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाना, उद्योगदूतसंस्थान समन्वय को सशक्त करना तथा क्षेत्रीय स्तर पर कौशल आधारित रोजगार को बढ़ावा देना है। पत्रकार वार्ता के दौरान ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर विशाल कुमार ने बताया कि जॉब फेयर के माध्यम से आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पंजीकरण, साक्षात्कार कक्ष, तकनीकी सहायता एवं मार्गदर्शन डेस्क की समुचित व्यवस्था की गई है। कालेज प्रशासन ने मीडिया के माध्यम से क्षेत्र के योग्य एवं इच्छुक विद्यार्थियों से अपील की कि वे निर्धारित तिथि पर अपने बायोडेटा एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ जॉब फेयर में प्रतिभाग करें और इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएं।

नारकोटिक्स आधारित दवाओं का दवा विक्रेताओं का रखा जाए लेखा जोखा -जिलाधिकारी

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कोलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय नार्को को-अर्डिनेशन सेंटर समिति की बैठक आहूत कर नशीले पदार्थों की तस्करी, दुरुपयोग, बिक्री को रोकने के दृष्टिगत सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि आपसी समन्वय स्थापित करने हुए मादक पदार्थों की तस्करी के तरीकों, संदिग्ध व्यक्तियों, संदिग्ध स्थलों का चिन्हांकन करते हुए अन्तर्विभागीय अभिसूचनाओं का आदान प्रदान कर नियमानुसार आवश्यक प्रवर्तन की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध कच्ची शराब के निर्माण, लकड़ी व अन्य संदिग्ध वस्तु के अवैध परिवहन की चेकिंग, प्रभागीय वनाधिकारी द्वारा अन्तर् प्रांतीय सीमावर्ती वन क्षेत्रों में चेकिंग की सहाय्य निरस्त करवाई जाए। कर्मचारियों द्वारा

त्रात्रि में पूर्वाह्निक कराया जाए।
 हेतु आकरसिक स्थिति में सन्पटने
 तथा फुलसि रविभा, वन विभागा व
 आबकारी विभागा द्वारा संयुक्त रूप
 से कार्यवाही की जाए। जिलाधि
 वकारी ने जनपद में विशेषकर
 युवा पीढ़ी में नशीली दवाओं के
 सेवन एवं ड्रग्स के दुष्प्रभाव के
 सम्बंध में नशा विरोधी व नशामुक्त
 अभियान के अन्तर्गत जिला मद्य
 निषेध अधिकारी के द्वारा स्कूलों
 में या लोगों के बीच गोष्ठियां
 आयोजित कर जन जागरूकता
 कार्यक्रम आयोजित किया जाए।
 जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध
 रूप से दवाओं, ड्रग्स, कप सीपर
 व अन्य मादक पदार्थों की बिक्री
 पर प्रभावी रोक लगाए जाने के
 उद्दिष्टित अभियान चलाकर
 मंडलिक की दुकानों के निरीक्षण
 हेतु अनवरत प्रवर्तन की कार्यवाही
 किया जाए। यदि कोई दुकानदार
 जिसका लाइसेंस के विन्धित
 स्थान से अलग जगह पर दुकान
 चला रहा है अथवा भंडारण कर
 रहा है ऐसी दुकानों का लाइसेंस

निरस्त करने के सम्बंध में कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि मेडिकल की दुकानों का निरंतर औचक निरीक्षण करते हुए नार्कोटिक्स आधारित दवाओं का विक्रेताओं से पृथक लेखा जोखा रखा जाए। पर्यटन स्थलों पर मादक द्रव्यों के सेवन पर प्रभावी नियंत्रण हेतु अभियान चलाकर निरोधात्मक कार्यवाही करने का निर्देश और पुलिस अधीक्षक नक्सल को दिया गया। आबकारी विभाग को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव व अगले वर्ष विधान सभा चुनाव के दृष्टिगत शराब, मादक पदार्थ की दुकानों की चेकिंग की जाए नियत साइज में पोस्टर लगाया गया हो परन्तु मुख्य मार्ग, हाइवे पर मादक पदार्थ के बिक्री के लिए कोई दुकान न रहे और न ही बिक्री के सम्बंध में दुकान की संकेतक, साइज बोर्ड की नही होना चाहिए। जिलाधिकारी ने आबकारी विभाग को निर्देशित

करते हुए कहा कि जनपद की सिटीस्ट्रीट होसलसर, रिटेलर मादक पदार्थों के दुकानों की सूची पुलिस अधीक्षक को उपलब्ध कराई जाए तथा पुलिस अधीक्षक के माध्यम से उसकी गहन चेकिंग आदि भी कराई जाए। बैठक में जनपद स्तर पर एनडीपीएस एक्ट में की गई कार्यवाही कुल बरामदगी, विवेचनाओं का निस्तारण, न्यायालय द्वारा निर्णित मुकदमों निरोधानत्मक कार्यवाही पंजीकृत अभियोग, विवेचनाओं के निस्तारण न्यायालय में लम्बित मुकदमों आदि की बिन्दुवार विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक नवसल मनीष मिश्रा, जिला अवरकरी अधिकारी ज्ञानेन्द्र नाथ पाण्डेय, जिला मद्य निबंध अधिकारी, ड्रग्स इंस्पेक्टर, जिला समाज कल्याण अधिकारी रामरावेश यादव, प्रमाणीय वनाधिकारी राकेश कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता में कपोजिट विद्यालय शाहपुर चौसा की रसोईया तारा देवी रहीं प्रथम

मराजपुर। पाँचम पाषण योजना के तहत मालवाँगर क नगर पालिका के कर्पाजट विद्यालय श्राराना कर्णावात पारसर म जिला स्तराय रसोईया पाक कला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता क शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिला कुमार वर्मा ने दीप प्रज्जलित कर किया। इसके बाद प्रतिभागि रसोईयों ने स्कूलों में बाने वाले विभिन्न व्यंजन बनावर अपनी प्रतिभा दिखाई। इस दौरान प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त रसोईयों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें कर्पाजट विद्यालय शाहपुर चौसा देवी रसोईया श्रीमती तारा देवी ने जनपद स्तराय रसोईया पाक कला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान श्रीमती नेबुला देवी प्राथमिक विद्यालय केवटावीर एवं तृतीय स्थान श्रीमती सुमित्रा देवी कर्पाजट विद्यालय घाटमुनी ने प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिला कुमार वर्मा, जिला समन्वयक एमडीएम रविन्द्र मिश्रा, खंड शिक्षा अधिकारी नगर रविंद्र शुक्ला, राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका श्रीमती शीला सिंह समेत समस्त गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सड़क पार करते समय बाइक के धक्के से बालक चोटिल 'घायल' प्राथमिक उपचार के बाद मंडली अस्पताल रेफर

इमंडगज। हालिया थाना क्षेत्र के एक गांव में बुधवार को सड़क पार करते समय बाइक के धक्के से 3 वर्षीय बालक सड़क पार गिरकर चोटिल हो गया। परिजन आनन फानन में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया है। थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव निवासी विजय मोर्य का 3 वर्षीय पुत्र कयांश घर के पास सड़क पार कर रहा था कि इसी दौरान सड़क से गुजर रहे बाइक सवार के जोरदार धक्का लगने से सड़क पार गिरकर बालक चोटिल हो गया परिजन आनन फानन में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया है।

सरकार के प्रयास से मीरजापुर में वज्रपात मौतों में आई 50 प्रतिशत की कमी'

मीरजापुर। योगी सरकार प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं से जनहानि को न्यूनतम करने की दिशा में लगातार ठोस और वैज्ञानिक कदम उठा रही है। इसी के तहत मीरजापुर में "लाइटनिंग रेजिलिएंस" यानी आकाशीय बिजली से सुरक्षा की दिशा में कभी कदम उठाया गया। योगी सरकार के इस कदम से मीरजापुर में आकाशीय बिजली की होने वाली मौतों में 50 प्रतिशत की बढ़ी दर्ज की गयी, वहीं इसे न्यूनतम और शून्य करने की दिशा में काम किया जा रहा है। योगी सरकार का लाइटनिंग रेजिलिएंस मॉडल देश के लिए एक मॉडल के रूप में उभर कर सामने आया है। बता दें कि मीरजापुर देश के सबसे अधिक बिजली प्रभावित क्षेत्रों में शामिल है। यूपीएसडीएमए एवं राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा जनपद मीरजापुर को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान से किया गया मनुबूत जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण मीरजापुर (डीडीएमए) के अध्यक्ष, जिलाधिकारी मीरजापुर पवन कुमार गंगवार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सप्ता संभालने के बाद प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली मौतों को हर हाल में रोकने और न्यूनतम करने के निर्देश दिये थे। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों के साथ मनुबूत किया गया। मीरजापुर में लाइटनिंग मिटिगेशन प्रोजेक्ट इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। इसी का परिणाम है कि वर्ष 2024-25 और वर्ष 2025-26 में अब तक आकाशीय बिजली गिरने से मौतों की संख्या घटकर 14 रह गई, जबकि वर्ष 2019 में 30, वर्ष 2020 में 28, वर्ष 2021 में 23 और वर्ष 2022 में 20 लोगों की मौत बिजली गिरने से हुई थी।

श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से शांति और भय से मिलती है मुक्तिप्रेम मूर्ति महाराज अंकित मिश्रा

मैराजापुर । हलिया विकास खेड क्षेत्र के बुबुरा कला गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन बुधवार को श्रीधाम पर्वतान से पधारे कथावाचक पंडित प्रेम मूर्ति महाराज ने भागवत कथा की महिमा और शुक्देव और राजा परीक्षित की कथा का भक्तों को रसपान कराया । कथावाचक ने कहा कि जो व्यक्ति नित्य परायण होकर लगातार सात दिनों तक श्रीमद्भागवत की कथा श्रद्धा पूर्वक श्रवण करता है, वह जीवन के सभी पापों से मुक्त होकर भगवान की परम भक्ति को प्राप्त करता है । राजा परीक्षित भागवत कथा का श्रवण करने के कारण भगवान के परमधाम को प्राप्त हुए । कथावाचक ने कहा कि भागवत कथा का श्रवण करने से शोक और मृत्यु का भय समाप्त हो जाता है । मनुष्य के सभी पापों का नाश हो जाता है । कहा कि पृथ्वी पर अधर्म का नाश करने के लिए भगवान अवतरित होते हैं और आसुरी शक्तियों का विनाश कर धर्म की रक्षा करते हैं । कथा व्यास ने कहा कि मनुष्य को अपने प्रारब्धों को भोगना पड़ता है । कथा के अंत में श्रीमद्भागवत महाराष्ट्र व भगवान श्रीकृष्ण की आरती उतारी गई और भक्तों में प्रसाद वितरित किया गया । कथा यजमान इन्द्रकली मिश्र, ओमप्रकाश मिश्र शांती देवी, कुल गुरु पंडित लवलेश त्रिपाठी, अंकित त्रिपाठी, आनंद नाथ मिश्र, सूर्य प्रकाश मिश्र, हरिशंकर मिश्र, नर्वदा प्रसाद मिश्र, राजेंद्र प्रसाद मिश्र, रामेश्वर प्रसाद मिश्र, शशिदेव मिश्र, श्याम बहादुर सिंह, अमित सिंह, आशीष मिश्र, सतीश मिश्र, कृष्ण दत्त मिश्र, रविशंकर त्रिपाठी डाररमाकां मिश्र, मदनेश मिश्र, विजय प्रताप सिंह, अमृत सिंह जगलाल मौर्य सहित सैकड़ों लोग शामिल थे ।

**वारि एकलव्य स्थापिनी दिवस बड़
ही धूमधाम के साथ मनाया गया**

मीरजापुर। विकास खंड हलिया क्षेत्र के पुरवा ओसान सिंह चक कोटार में मंगलवार को वीर एकलव्य स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वीर एकलव्य, विरसा मुंडा, माता शबरी, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण कर एवं विधिवत पूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कोरांव राम कृपाल कोल जी रहे। विशिष्ट अतिथि समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता रविंद्र कोल रहे। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कोरांव राम कृपाल कोल ने कहा कि वीर एकलव्य शोषित वंचित और मेहनतकश समाज के आत्म सम्मान के प्रतीक हैं। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी ज्ञान साधना और संकल्प के बल पर इतिहास रचा। आज की युवा पीढ़ी को उनके संघर्ष से सीख लेने की आवश्यकता है। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के विधानसभा उपाध्यक्ष रविंद्र कोल ने वीर एकलव्य के जीवन को समर्पण और अनुशासन की मिसाल बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कोरांव राम कृपाल कोल, रविंद्र कोल, जनार्दन कोल, शिवबाबू सेठ, रामकुमार ग्राम प्रधान तुलसी, अंजेश कोल, रामाशंकर कोल, मंगलदेव कोल, युवा नेता सतेन्द्र कोल, रंजीत कोल, सूरज मौय्य, डॉ शिव धनी कोल, विकास सोनकर, रामू कोल, रामकिशोर कोल, कमलेश कोल आदि व सम्पन्न क्षेत्रीय व ग्रामीण उपस्थित रहे।

फर्जी जमानत सत्यापन रिपोर्ट तैयार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

—सपा नेता राजा मान सिंह गिरोह के सदस्य उपदेश यादव द्वारा फर्जी प्रपत्र तैयार कर ली गई थी जमानत

अयोध्या। पूराकलंदर थाना पुलिस ने एसओजी व सर्विलांस टीम के साथ मिलकर फर्जी जमानत सत्यापन रिपोर्ट तैयार करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न जनपदों के न्यायालयों, तहसीलों, आरटीओ और थानों की 105 फर्जी मोहरें, फाइलें, मोबाइल फोन, टैबलेट और बड़ी संख्या में फर्जी मोहरें शामिल हैं। बरामद मोहरों में अयोध्या, बस्ती, गोंडाल, संतकबीरनगर, अमेठी, बलरामपुर, अंबेडकरनगर, मुजफ्फरनगर, सिद्धार्थनगर और औरैया जनपदों के विभिन्न थानों, तहसीलों और कार्यालयों की मोहरें पाई गईं। एसएसपी डा गौरव ग्रोवर का कहना है कि गिरोह के अन्य संपर्कों और इससे जुड़े मामलों की जांच की जा रही है। इसके लिए एसपी सिटी व एसपीआरए से सभी थानाध्यक्ष विस्तृत रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए गए हैं।

गांधी पार्क में ऐतिहासिक होगी न्याय महापंचायत

अयोध्या। आंदोलनकारियों, न्याय प्रिय साथियों तथा विभिन्न किसान संगठनों व दलों द्वारा 30 जनवरी को गांधी पार्क में आयोजित न्याय महापंचायत ऐतिहासिक होगी। उक्त के संबंे में शाने अवध होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में किसान संगठनों, विभिन्न दलों के नेताओं ने कहा कि न्याय महापंचायत की तैयारी विकास खंडवार गांव–गांव की गई है गांवों से भारी संख्या में किसानों मजदूरों तथा न्याय प्रिय साथियों का जत्था गांधी पार्क पहुंचेगा और बड़ा जमावड़ा होगा। संयुक्त किसान मोर्चा के जिला संयोजक बीकापुर नगर पंचायत पूर्व अध्यक्ष मायाराम वर्मा ने शिवकुमार वर्मा निवासी सोनोरा गाऊपुर के ऊपर प्राण घातक हमला करने वाले अपराधियों को बचाने का पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ अपराध्ी खुलेआम घूम रहे हैं पुलिस गिरफ्तार नहीं कर रही है और मुकदमे में भी पुलिस की हल्की पैरवी के कारण गिरफ्तार अभियुक्त भी रिहा हो चुके हैं। जिसके कारण शिवकुमार वर्मा के जान माल का खतरा बढ़ गया है मायाराम वर्मा ने शिवकुमार वर्मा के जान माल की सुरक्षा की मांग से गलत है और फर्जी मुकदमा संपात होना चाहिए। अपना दल बलिहारी की राष्ट्रीय अध्क्ष धर्मराज पटेल ने कहा कि तारुन थाना की तरह ही हैदरगंज थाने में आंदोलनकारियों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 163५ 25 सेम धारा में दर्ज किया गया है अयोध्या की पुलिस आंदोलनकारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके आंदोलन को कोई खत्म करना चाहती है

भदरसा गैंगरेप मामले में सपा नेता मोईद खान बाइज्जत बरी

—नौकर राजू खान दोषी, सजा पर फैसला आज

—सीएम योगी ने विधानसभा में की थी मामले की चर्चा

अयोध्या। भदरसा क्षेत्र के चर्चित गैंगरेप मामले में पाक्सो प्रथम न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए सपा नेता मोईद खान को सभी आरोपों से बाइज्जत बरी कर दिया है, जबकि उसके नौकर राजू खान को दोषी ठहराया गया है। न्यायालय ने राजू खान को मामले से जुड़ी सभी धाराओं में दोषसिद्ध पाते हुए सजा पर निर्णय के लिए कल की तारीख तय की है। यह मामला 29 जुलाई 2024 को थाना पूराकलंदर में दर्ज किया गया था, जिसने उस समय जिले में काफी राजनीतिक और सामाजिक हलचल पैदा कर दी थी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मामले की चर्चा विधानसभा में की थी। पीड़िता की तहरीर पर गैंगरेप का मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसमें सपा नेता मोईद खान और उसके नौकर राजू खान को आरोपी बनाया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए मोईद खान की बेकरी और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर की कार्रवाई भी की थी, जो उस समय काफी चर्चा में रही। जांच के दौरान दोनों आरोपियों का डीएनए टेस्ट कराया गया था। रिपोर्ट में मोईद खान का डीएनए नेगेटिव पाया गया, जबकि राजू खान का डीएनए पॉजिटिव आया। डीएनए रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने मोईद खान को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया, वहीं राजू खान को खिलाफ आरोप सिद्ध पाए गए। मामले की पैरवी लोक अभियोजक विनोद उपाध्याय एवं वीरेन्द्र मोर्या ने की। लोक अभियोजकों ने बताया कि न्यायालय के फैसले का अध्ययन किया जा रहा है मामले को हाईकोर्ट में अपील की जाएगी।

शिक्षक बने आर्थिक रुप से सशक्त - प्रवीण कुमार द्विवेदी

अयोध्या। एवोक इंडिया द्वारा बीएसई इन्व्स्टर्स प्रोटेक्शन फंड (बीएसई आईपीएफ) के सहयोग से डायटअयोध्या में माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए वित्तीय साक्षरता एवं निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को वित्तीय नियोजन, सुरक्षित निवेश तथा निवेशकों के अधिकारों से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान कर उन्हें आर्थिक रुप से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं प्रशिक्षक के रूप में प्रवीण कुमार द्विवेदी, संचालक एवं अध्क्ष, एवोक इंडिया गुप, उपस्थित रहे। उन्होंने अपने सत्र में वित्तीय अनुशासन, सही निवेश निर्णय, निवेश से जुड़े जोखिमों तथा निवेशक संरक्षण तंत्र पर सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धर्माद कुमार, प्राचार्यध्क्ष शिक्षा निदेशक,डायट अयोध्या, उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वित्तीय रुप से जागरूक शिक्षक न केवल स्वयं के लिए बल्कि समाज के लिए भी आर्थिक सशक्तिकरण की मजबूत नींव रखते हैं।

रिपोर्ट, 169 पासपोर्ट साइज फोटो, कई रजिस्टर, लिफाफे, फाइलें, मोबाइल फोन, टैबलेट और बड़ी संख्या में फर्जी मोहरें शामिल हैं। बरामद मोहरों में अयोध्या, बस्ती, गोंडाल, संतकबीरनगर, अमेठी, बलरामपुर, अंबेडकरनगर, मुजफ्फरनगर, सिद्धार्थनगर और औरैया जनपदों के विभिन्न थानों, तहसीलों और कार्यालयों की मोहरें पाई गईं। एसएसपी डा गौरव ग्रोवर का कहना है कि गिरोह के अन्य संपर्कों और इससे जुड़े मामलों की जांच की जा रही है। इसके लिए एसपी सिटी व एसपीआरए से सभी थानाध्यक्ष विस्तृत रिपोर्ट लेने के निर्देश दिए गए हैं।

जिसको होने नहीं देंगे। अपना दल कमेरावादी के प्रांतीय नेता रामशिला पटेल एडवोकेट ने कहा कि विवाद की जड़ शिवकुमार वर्मा के घर के ठीक सहन के सामने स्थित नवीन परती की भूमि है अभियुक्त गण शिवकुमार वर्मा के सहन के ठीक सामने नवीन परती की भूमि कब्जा करना चाहते हैं जो किसी भी दशा में उचित नहीं है शिवकुमार वर्मा के घर के सामने की नवीन परती की भूमि को शिवकुमार वर्मा को आवंटित करके विवाद को हमेशा–हमेशा के लिए खत्म करने की मांग की। राष्ट्रीय लोक दल नेता राम शंकर वर्मा ने कहा कि पुलिस महानिरीक्षक के स्थानांतरण के बावजूद भी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डाह थाना अध्यक्ष सहित उ्प निरीक्षकों को कार्य मुक्त न करना बड़ा अन्याय है। स्थानांतरण पर चल रहे सभी पुलिस अधिकारियों को कार्य मुक्त करने की मांग किया है। इस मौके पर पूर्व सदस्य जिला पंचायत कमला प्रसाद बागी, राजेंद्र प्रसाद वर्मा, सपा नेता विजय बहादुर वर्मा,जानानाथ पाल, रामकृपाल पटेल, कांग्रेस पार्टी अजीत वर्मा,भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष युवा मो शो विकास वर्मा, विवेक पटेल, सुरजीत वर्मा,अजीत वर्मा। सभी नेताओं ने पुलिस प्रशासन तथा जिला प्रशासन चेतावनी दिया है कि समय रहते आंदोलनकारियों के साथ न्याय करते हुए आंदोलनकारियों के विरुद्ध दर्ज मुकदमों को समाप्त कर देंवे अन्यथा 30 जनवरी को गांधी पार्क में आयोजित न्याय महापंचायत ऐतिहासिक एवं आर पार की होगी।

फरुवाही लोकनृत्य को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में गुप अश्फ अवधी न्यास का ऐतिहासिक योगदान

-बीते 19 वर्षों से लोकनृत्य प्रशिक्षण, कर्तव्य पय से राष्ट्रपति भवन तक फरुवाही की गूंज

अयोध्या। अवधी लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में गुप ऑफ अवधी न्यास, अयोध्या धाम एवं इसके कलाकारों का योगदान उल्लेखनीय रहा है। बीते 19 वर्षों से निरंतर लगभग 250 से अधिक कलाकारों को फरुवाही लोकनृत्य का प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही कंहरवा एवं बंधावा लोकनृत्य का भी सशक्त प्रशिक्षण दिया गया। गुप ऑफ अवधी न्यास ने कई बार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। 26 जनवरी 2023 को गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय रंगशाला शिविर में लगभग 17 राज्यों के दलों के बीच प्रतियोगिता में भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके पश्चात दल ने कर्तव्य पथ, नई दिल्ली पर उत्तर प्रदेश के ट्रेब्लो के साथ प्रतिनिधित्व किया। इसके अतिरिक्त प्रध्ानमंत्री आवास एवं राष्ट्रपति भवन में भी फरुवाही लोकनृत्य

की भव्य प्रस्तुति दी गई, जिसकी कोरियोग्राफी प्रसिद्ध लोकनृत्य निर्देशक संजय शर्मा द्वारा की गई। संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित फरुवाही लोकनृत्य प्रतियोगिता में गुप ने दो बार प्रथम स्थान प्राप्त किया। साथ ही संस्कार भारती द्वारा कलासाधक सम्मान, अयोध्या महोत्सव द्वारा अयोध्या हस्त तथा सरस सलिल भोजपुरी सिने अवार्ड से भी फरुवाही लोकनृत्य को सम्मानित किया गया। 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर लोक एवं जनजातीय वर्ग के लगभग 5500 कलाकारों द्वारा दी गई ऐतिहासिक प्रस्तुति में फरुवाही लोेकनृत्य की सहभागिता रही। इस विशाल आयोजन की संपूर्ण कोरियोग्राफी भी संजय शर्मा जी द्वारा की गई, जो एक विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज हुई। इसी क्रम में गुप ऑफ अवधी न्यास के कलाकारों ने गणतंत्र दिवस परेड में उत्तर प्रदेश के ट्रेब्लो के

यूजीसी कानून के विरोध में भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह बिक्की ने दिया इस्तीफा

-अयोध्या में भाजपा संगठन को बड़ा झटका, सर्वर्ण समाज के हितों की अनदेखी का आरोप

मिल्कीपुर—अयोध्या। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) अयोध्या के जिला उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ ‘बिक्की’ ने केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए यूजीसी कानून 2026 के विरोध में अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने यह इस्तीफा जिला अध्यक्ष को संबोधित पत्र के माध्यम से सौंपा है। अपने त्यागपत्र में राघवेंद्र प्रताप सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि संस्कार द्वारा लागू किया गया यूजीसी कानून 2026 पूरी तरह एकपक्षीय है और यह सर्वर्ण समाज के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून सर्वर्ण समाज के बच्चों और छात्रों के भविष्य के लिए ‘काला और घातक कानून’ साबित होगा। उन्होंने लिखा कि वह सरकार की वर्तमान रीति और नीति से आहत हैं और इसी कारण नैतिक आधार पर अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। संगठन और राजनीति में मजबूत पकड़ वाले राघवेंद्र प्रताप सिंह ‘बिक्की’ मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र से पूर्व भाजपा विधायक गोरखनाथ बाबा तथा गोंडा सांसद करण भूषण सिंह के बेहद करीबी माने जाते हैं। संगठन में उनकी अच्छी पकड़ रही है और भाजयुमो में उन्हें एक सक्रिय और प्रभावशाली पदाधिकारी के रूप में जाना जाता था। ऐसे में उनका इस्तीफा भाजपा संगठन के लिए एक बड़ा राजनीतिक संकेत माना जा रहा है। यूजीसी कानून 2026 को लेकर पहले से ही छात्र संगठनों और विभिन्न सामाजिक वर्गों में असंतोष की आवाजें उठ रही थीं। अब भाजपा के ही युवा संगठन के जिला स्तर के पदाधिकारी द्वारा इस्तीफा दिया जाना इस असंतोष को और मजबूत करता नजर आ रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि इस मुद्दे पर पार्टी नेतृत्व ने जल्द स्थिति स्पष्ट नहीं की, तो आने वाले समय में और भी इस्तीफे देखने को मिल सकते हैं। भाजयुमो जैसे फ्रंटल संगठन से जुड़े नेता का इस तरह सार्वजनिक रूप से सरकार की नीति का विरोध करना भाजपा के लिए अंदरूनी असहजता का संकेत है। खासकर अयोध्या जैसे राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जिले में यह घटनाक्रम संगठनात्मक मजबूती पर सवाल खड़े कर रहा है।

देवी देवताओं के साथ-साथ भारतमाता की भी करें पूजा डा. अनिल मिश्रा

-गोसाईगंज कस्बे के विराट हिन्दू सम्मेलन का हुआ आयोजन

गोसाईगंज—अयोध्या। गोसाईगंज कस्बे के शगुन भैंरिज लान में विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ।आयोजन में मुख्य अतिथि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ,विशिष्ट अतिथि श्रृंगी ऋषि धाम के महंत रामपियारें दास,बहन संध्या यादव प्राचार्य राज,रहीन बालिका इंटर कालेज,अध्यक्षता रामभवन मिश्रा पूर्व प्राचार्य आचार्य नरेंद्र देव इंटर कालेज व संचालन अनिलकुमार मल्हू ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतमात के चित्र के सम्मुख दीप जलाकर किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधि त्त करते हुए मुख्य अतिथिजि. डॉ. अनिल मिश्रा ने कहाकि आप अपने तैतीस हजार देवी देवताओं को पूजा करे परन्तु उसके साथ ही भारतमाती की भी पूजा जरूर करे।आप अपने वर्तमान के साथ अपने भूत के गौरव को विस्मृति ना करेइसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें। राष्ट्रीय स्वयं संघ आपको नर से

नारायण बनाना चाहता है। आप जंहा रहे वंहा हिंदुओ को संगठित कर,इसके पीछे लोग चलने को मजबूर हो जाय।आज परिवार दूर हो रहा है,सबसे पहले परिवार को जोड़ो।सबको एक सूत्र में पिरोना ही हम सबका लक्ष्य है। संघ में जाति को कोई व्यवस्था नहीं है हम्ने छुआछूत जैसी विसंगतियों को दूर करना है।जब हिन्दू शक्तिशाली हो जाएगा तो इसके पीछे पूरी दुनिया चलेगी।महंत रामपियारें दास ने कहाकि धर्मो रक्षति रक्षित,आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म भी आपकी रक्षा करेगा। आप जन्म से ही सनतानी होे कर्म से नही। दुर्भाग्य है कि आज हम एक नही है।आज जब कंड़ी कोई हिन्दू पुकारे तो एह हो जाओ,क्योंकि संगठन में ही शक्ति है।बहन संध्या यादव ने कहाकि आज हम दिशा भ्रमित हो गए है।हमें कोई भी प्रलोभन देकर अपनी राह से भ्रमित कर देता है। हमको उनकी बातों में नही आना है। इसी उद्देश्य के लिए हम लोग

इकट्ठा हुए है।हम हिन्दू बनेंगे तो हमारे बीच से जातियों का भेदभाव मिट जाएगा। हमें राम के जीवन को पढ़कर अपने जीवन मे उतारने की आवश्यकता है। अध्यक्षता कर रहे पूर्व प्राचार्य रामभवन मिश्रा ने आये हुए लोगो का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रामनारायण सरस्वती शिशु मंदिर के भैया बहनों ने रंगारंग प्रस्तुति पेश किया। अंत मे भारतमाता की भव्य आरती के साथ समापन किया गया।उक्त अवसर पर दानबहादुर सिंह,सियाराम वर्मा, चैयरमैन डॉ।विजयलक्ष्मी जायसवाल,प्रदीप जायसवाल,पंकजसिंह,विनीत सिंह,आनन्द सिंह,बजरंगी चौरसिया,रामभवन वर्मा,शेखर वर्मा,सर्वेश मोन्ू,विजय सोनी,कालीचरण,अवधेश,रवि यादव,आलोक,प्रिस सिंह,राकेश सिंह,गुड्ड पंडित,सचेंद्र सिंह,उपेंद्र सिंह,चित्रकेश सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सौर ऊर्जा में उत्कृष्ट कार्य के लिए जितेंद्र मणि द्विवेदी सम्मानित

अयोध्या। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जिले का गौरव बढ़ाते हुए सुल्तानपुर निवासी जितेंद्र मणि द्विवेदी को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। मंगलवार, 27 जनवरी 2026 को होटल ताज गंगा, वाराणसी में आयोजित सोलर कॉन्फ्रेंस्टर मीट 2026 के दौरान उन्हे यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर सोलेक्स सर्विसेज प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर जितेंद्र मणि द्विवेदी को पीएम सूर्य घर मुपत बिजली योजना के अंतर्गत अयोध्या मंडल में सर्वाधिक सोलर प्लांट स्थापित करने तथा उच्च गुणवत्ता के कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। सोलेक्स सर्विसेज प्रा. लि. अयोध्या मंडल सहित उत्तर प्रदेश की एक प्रतिष्ठित सोलर कंपनी के रूप में पहचान बना चुकी है। कंपनी की शुरुआत ग्राम सभा कैंठा, तहसील लुभुआ निवासी जितेंद्र मणि द्विवेदी, पुत्र राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी (पूर्व वरिष्ठ सहायक, सविल कॉर्ट) द्वारा की गई थी। कंपनी का प्रधान कार्यालय ट्रांसपोर्ट नगर, अयोध्या में स्थित है और प्रदेश के कई जिलों में इसकी शाखाएं संचालित हैं। कंपनी का प्रमुख उद्देश्य हर घर सोलर अभियान को सफल बनाना है। सम्मान मिलने पर जितेंद्र मणि द्विवेदी ने इस उपलब्धता का श्रेय अपनी पूरी टीम की मेहनत, सहयोग तथा मातादृ पिता के आशीर्वाद को दिया। सोलर कॉन्फ्रेंस्टर मीट 2026 का मुख्य उद्देश्य वाराणसी शहर को तेजी से सौर ऊर्जा से आच्छादित करने की रणनीति पर विचार करना था। कार्यक्रम में 100 से अधिक सोलर कंपनियों ने सहभागिता की। इस आयोजन का संचालन फर्स्ट व्यू ग्रुप द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में यूपीनेडा के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी शशि कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। इसके साथ ही बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक, लीड बैंक मैनेजर, सेवा के अध्यक्ष पराग मिश्रा, सचिव उषा पति द्वारा सहित कई कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

डीएम और एसपी ने ली सड़क सुरक्षा की बैठक

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा की गई तथा यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए।बैठक का मुख्य एजेंडा राजमार्गों पर अवैध रूप से निर्मित अवैध कटों को बंद कराना, राष्ट्रीय राजमार्गों पर नियमित रूप से प्रभावी पेट्रोलिंग किया जाना, राष्ट्रीय राजमार्गों पर पार्किंग व्यवस्था, सड़क सुरक्षा से सम्बंधित की गयी प्रवर्तन कार्यवाही, इन्ट्रीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस में विभिन्न विभागों द्वारा रोड एक्सीडेंट के सम्बन्ध में एन्ट्री को अद्यतन किया जाना। जनपद में स्थित विभिन्न चौराहों को यातायात की दृष्टि से सुगम व सरल बनाना, सड़कों पर विभिन्न प्रकार के अतिक्रमणों को हटाना, ब्लैक स्पॉट्स के निवारण के सम्बन्ध में समीक्षा की गई।जिलाधिकारी ने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की भी जानकारी ली। जनपद में सुरक्षा के दृष्टिगत बिना फिटनेस के चलने वाले वाहनों पर प्रवर्तन की प्रभावी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मानक विहीन व पुराने हो चुके वाहनों को सीज करने की कार्रवाई की जाए तथा रॉन्ग साइड चलने वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि नेशनल हाईवे पर एंजुलेंस पेट्रोलिंग व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए। ड्रिंकिंग डाइव व ओवर स्पीड एवं बगैर नम्बरों की गाडी चलाने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। हिट एंड रन मामलों में परिवहन विभाग को कराधान अधिनियमधनियमावली के अंतर्गत प्रतिकार कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।बैठक में एडीएम प्रशासन सिद्धार्थ, पीडब्ल्यूडी अधिशासी अभियंता महिपाल सिंह, एआरटीओ प्रवर्तन उमेश चंद कटियार, ईओ नगर पालिका स्वर्ण सिंह, एसीएमओ डॉ0 अरविंद कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सुपर मार्केट के ध्वस्तीकरण को लेकर व्यापारियों का फूटा गुस्सा

रायबरेली।शहर का हृदय मानी जाने वाली सुपर मार्केट के ध्वस्तीकरण सम्बन्धी आशंका के चलते नव गठित श्री गुरु तेग बहादुर (सुपर मार्केट) व्यापार मण्डल के आहवान पर जिले के प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने भारी आक्रोश व्यक्त किया है। व्यापारी किसी भी कीमत पर सुपर मार्केट का ध्वस्तीकरण नहीं होने देंगे, अलबत्ता इस मार्केट के जर्जर हिस्सों की मरम्मत करायी जा सकती है। बुधवार को व्यापारियों का सांकेतिक धरना सुपर मार्केट के पार्क में हुआ, जिसमें सुपर मार्केट व्यापार मण्डल के साथ उ0प्र0 उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल (बग्गा गुट), मुरारका गुट तथा अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के प्रमुख नेताओं के साथ मुकाबले का एलान किया। सुपर मार्केट के व्यापारियों ने एकजुट होकर दुकानें बंद करके पार्क में दो घंटे का सांकेतिक धरना दिया। व्यापारी नेता बसन्त सिंह बग्गा ने चेतावनी भरे स्वर में कहा कि किसी में दम नहीं है कि सुपर मार्केट का ध्वस्तीकरण कर दे, प्रशासन व पालिका इस मार्केट की मरम्मत करवा सकती है, आवश्यकता हुई तो ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। मुकेश रस्तोगी ने कहा कि सुपर मार्केट के व्यापारियों का उत्पीड़न किसी भी कीमत पर बदरिश नहीं किया जाएगा, इसके लिए आवश्यकता हुई तो व्यापारी सड़कों पर उतरकर उनके हक की लड़ाई लड़ेंगा। अतुल गुप्ता ने अल्टीमेटम दिया कि अगर नगर पालिका सुपर मार्केट का रखरखाव नहीं कर सकती तो वह व्यापारियों के हाथ पूरी मार्केट सौंप दे, व्यापारी पूरी मार्केट को सुरक्षित कर लेगा। पंकज मुरारका ने कहा कि व्यापारी लामबंद हैं और अन्याय क्षम्य नहीं होगा। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ सांकेतिक धरना समाप्त हुआ। ज्ञातव्य हो कि तकरीबन 60 साल पूर्व सुपर मार्केट की निर्माण हुआ, तब से सुपर मार्केट नगर पालिका परिषद रायबरेली के अधीन है। इस दो मंजिला मार्केट में एक सौ से अधिक दुकानें, समाजवादी पार्टी व विद्यार्थी परिषद का कार्यालय, स्टेट बैंक का प्रधान कार्यालय व बड़ौदा बैंक के अलावा विद्युत विभाग, डाकतार विभाग तथा आई.बी. के कार्यालय भी हैं। इसके अलावा आवास हेतु प्लैट भी है, कहा जा रहा है कि रखरखाव के अभाव में मार्केट की छतें व रेलिंग पूरी तरह से जर्जर हैं, लेकिन बाकी निर्माण पूरी तरह मजबूत व सुरक्षित है। हाल ही में छोटे-मोटे हादसों पर जब लोगों में अज्ञात भय का वातावरण बना तब नगर पालिका परिषद ने मरम्मत के स्थान पर मार्केट तोड़कर नवनिर्माण की मंशा जतायी, लेकिन व्यापारियों के विरोध पर वह योजना रूक यी। इसी बीच हाल में लोक निर्माण की एक रिपोर्ट ने बाजार में नयी हलचल पैदा कर दी। रिपोर्ट के अनुसार सुपर मार्केट पूरी तरह जर्जर है, इसलिए इसका ध्वस्तीकरण जरूरी है। इस रिपोर्ट में व्यापारियों में हड़कंप मच गया। धरने में सभासद धर्मेंद्र द्विवेदी, निरंजन सिंह, गुरदीप सिंह, राजीव अग्रवाल, सोना सिंह, श्याम अग्रवाल, राजेन्द्र बाजपेयी, संजय त्रिपाठी, ओम प्रकाश सावलाणी, शिवकुमार अग्रवाल, कमलजीत सिंह बग्गा, कुलदीप सिंह बग्गा, कुलदीप सिंह अरोड़ा, संदीप जैन, प्रभाकर गुप्ता, फिरोज नूरी, मनोज गुप्ता, राजेश गुप्ता, आशीष पाठक,निर्मल बाजपेयी, राजन बाजपेयी, भोमेश सोनी, श्यामू सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

सड़क हादसे में मां-बेटी की मौत

महराजगंज,रायबरेली।कोतवाली क्षेत्र के थुलवासा में बुधवार सुबह 8 बजे के करीब सड़क हादसे में मां और उसकी बड़ी बेटी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छोटी बेटी मामूली रूप से घायल हो गई। जिसका इलाज नजदीक के अस्पताल में जारी है।तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से मारी टक्कर यह हादसा थुलवासा बाजार के पास उस समय हुआ, जब बिटाना मोर्य अपनी दो बेटियों 15 वर्षीय अनुष्का मोर्य और 11 वर्षीय आराध्या मोर्य को स्कूल छोड़ने जा रही थी। बताया जा रहा है कि तीनों सड़क किनारे पैदल चल रही थी। इसी दौरान महाराजगंज से रायबरेली की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर उनकी तरफ बढ़ गया और उन्हें कुचल दिया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि मां बिटाना मोर्य और बड़ी बेटी अनुष्का की मौके पर ही मौत हो गईं। वहीं छोटी बेटी आराध्या को हल्की चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने घायल बच्ची को तुरंत एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महाराजगंज पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत खतरे से बाहर है।

अहमदाबाद में नौकरी करता था पति
मृतका के भाई शैलेंद्र मोर्य ने बताया कि उनके जीजा राम राज मोर्य अहमदाबाद में प्राइवेट नौकरी करते थे। वही उनकी बहन बिटाना फूलवासा में अपनी दो बच्चियों की पढ़ाई के लिए रहती थी। आज सुबह वे बच्चियों को स्कूल छोड़ने के लिए जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने दीदी और भांजी को टक्कर मार दी। जिसमें उन दोनों की मौके पर मौत हो गयी, वहीं छोटी बेटी जख्मी हालत में अस्पताल में भर्ती है।पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव
सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि ट्रक और उसके चालक को हिरासत में ले लिया गया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

माडलिंग के लिए छोड़ी पढ़ाई, एक्टिंग के लिए घर से बगावतय
फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं पंजाब की कैटरीना की कहानी

बड़े सपने की कीमत होती है।
और उससे पूरा करने के लिए कई
मुश्किलों से गुजरना पड़ता है।
सुनिश्चाना की दुनिया में नाम कमाने
के लिए पंजाब की कैटरिना को
पढ़ाई मुश्किलों का सामना
करना पड़ा। जी हाँ, हम बात
कर रहे हैं शहनाज गिल की, जो
आज किसी पहचान की मोहताज
नहीं रही। शहनाज ने पढ़ाई
छोड़कर मॉडलिंग की राह चुनी,
परिवार की मर्जी के खिलाफ
जाकर एक्टिंग के लिए घर से
भागी। शुरुआती दिनों में घरवालों
से नाता टूटा, अकेलेपन से जूझना
पड़ा, लेकिन हिम्मत और लगन
ने उन्हें सफलता भी दिलाई।
संघर्ष, परिवार से बगावत और
मेहनत से मिली सफलता की
कहानी शहनाज गिल की है।
पंजाबी सिनेमा और बॉलीवुड में
अपनी अलग पहचान बनाने वाली
शहनाज गिल का जन्मदिन 27
जनवरी को है। उनकी जिंदगी
फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है।
मॉडलिंग के चक्कर में पढ़ाई
छोड़ना, पिता से अनबन, घर से
भागकर एक्ट्रेस बनने की ठानना
और फिर बिग बॉस 13 से मिली
शोहरत ने उल्टा पंजाब की कैटरिना
का खिताब दिलया। शहनाज गिल
का जन्म पंजाब के जालंधर में
हुआ। डलहौजी के डलहौजी
हिलटॉप स्कूल में पढ़ाई के दौरान
उन्हें मॉडलिंग का शौक हो गया।
स्कूल के दिनों में ही उन्होंने



छाटे-मोटे मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स शुरू कर दिए। स्कूलिंग पूरी होते ही उन्होंने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बीकॉम में दाखिला लिया, लेकिन मॉडलिंग की जिद में पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। इस फैसले से उनका परिवार उनसे नाराज भी रहा। मॉडलिंग से दूर रखने के लिए शादी की बात करने लगे, लेकिन शहनाज ने मना कर दिया। काम मिलता रहा, लेकिन पिता से अनबन बढ़ती गई। औरकार शहनाज ने घर छोड़ दिया। ऑफिशियल एक्टिंग के लिए मुंबई की राह पकड़ ली। उन्होंने कसम खाई कि फेमस होने के बाद ही घर लौटेंगी। साल 2015 में एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट में उसने करियर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक

वीडियो में काम मिला। फिर माझे डी जट्टी, पिंडिया को कुछियाँ जैसे कई उम्मेद दिए। असली पहचान गाने गैरी संधू के येह बेबी रेफिक्स से मिली। पंजाबी फिल्मों में भी उन्होंने सत श्री अकाल, काला-शा-काला में काम किया। हिमांशी खुराना के साथ विवादों के बाद वह, बिग बॉस 13 में पहुँची, जहाँ शहनाज ने खुद को पंजाब की कैंटीनरा कैफ कहीं कर सबका ध्यान खींचा। उन की हाजरिजवाबी, टूटी-फूटी

इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियाँ चर्चा में रहें। शो के दौरान उनके पिता घर पहुंचे और उन्होंने सपोर्ट किया। शहनाज शो का विनर तो नहीं बन पाई, मगर सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले प्रतियोगियों में से एक बनीं। बिग बॉस के बाद शहनाज का करियर चमका। उन्होंने सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भुला दूंगा, कह गई सौरी, कुरुत पज़ामा, वद है, शोना शोना जैसे कई हिट म्यूजिक वीडियोज किए। उन्होंने बॉलीवुड में सलमान खान की काफ़ी का भाई किसी की जान से डेब्यू किया और थैंक यू फॉर कमिंग में भी नजर आईं।

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिदगी, कभी नहीं की थी फिल्मों में आने की प्लानिंग

लिटल थिंग्स, कारवां, चॉपस्टिक्स और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री—गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म हैप्पी मोस्टेल्स से सुखियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीडी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएनएसके के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरूआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट



इस तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ-साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे। उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑब्जेक्ट दिया। मेरी जिदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे उसी तरह की चीजों को बनाने में लगती है। मुझे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मैं मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के पलों के

साथ चलने की आजादी दी। मुझे फ्ल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे न्यूज़ दर्शन दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए। उसके बाद, लिटिल थिंग्स हुआ, गर्ल इन द सिटी हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती।

करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहाय्य मिली।

और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जमीन में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

धमाल 4 की रिलीज डेट में बदलाव, 12 जून नहीं अब इस दिन देगी सिनेमाघरों में दस्तक

मास्ट अक्ट्रेड कॉमेडी प्रेवाइजी धमाल 4 को लेकर दर्शकों में उत्सुकता चरम पर है। हालांकि, निर्देशक इंद्र कुमार की इस फिल्म की रिलीज डेट में एक बार फिर बदलाव हुआ है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए घोषणा की कि फिल्म अब 12 जून को रिलीज नहीं होगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, जब अराजकता कॉमेडी से मिलती है, तो समझ लीजिए कि यह धमाल का समय है! नई तारीख शुभ और फैमिली एंटरटेनर के लिए बेस्ट है। 3 जुलाई को फिल्म अल्टीमेट फैमिली एंटरटेनर के रूप में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। यह रिलीज डेट में दूसरी बार बदलाव है। इससे पहले फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली थी और उससे पहले ईद के मौके पर आने वाली थी। मेकर्स ने कुछ वजहों से तारीख बदली, हालांकि वजहों का खुलासा नहीं किया गया। माना जा रहा है कि संभावित बॉक्स ऑफिस क्लैश से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है।

धमाल 4 में अजय देवगन लीड रोल में हैं। उनके साथ संजय मिश्रा, अशोक गुप्ता, संजीदा शेरवानी, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार एक्टर्स अहम किरदार में नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी के पुराने सितारे जैसे रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी भी इसमें शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। इसे टी-सीरीज, देवगन फिल्मस्, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है। प्रोद्यूसर्स में अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकरीया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक शामिल हैं। धमाल फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2007 में हुई थी, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में थे। इंद्र कुमार ने ही इसे डायरेक्ट किया था। इसके बाद साल 2011 में डबल धमाल और 2019 में टोटल धमाल रिलीज हुईं, जो हिट साबित हुईं। धमाल 4 इस सीरीज की नई किस्त है, जो पुरानी मस्ती और ना एटिविस्ट के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर और पोस्टर जल्द रिलीज होने की उम्मीद है।



बरडर 2 का बाक्स ऑफिस पर घमाका, अमीषा पटेल बोलीं- तारा सिंह को पर्दे पर देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं



Rishi Verman

फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की सुपरहिट फिल्म राम लखन को रिलीज हुए 37 साल पूरे हो चुके हैं। 27 जनवरी 1989 को रिलीज हुई क्लासिक फिल्म आज भी



जबकि लखन (अनिल कपूर) एक नटखट और लापरवाह युवक है। दोनों के पिता की हत्या उनके चाचा विश्वंशर (अमरीश पुरी) ने की होती है। उनकी मां शारदा (राखी) अपने बेटों को बदला लेने के लिए तैयार करती है। फिल्म में अर्चाई-बुराई, भाईचारा और इंसाफ की थीम है। सुभाष घई की फिल्म में जैकी श्रॉफ, अनिल कपूर के साथ डिपल कपाडिया (राधा), माधुरी दीक्षित (चंदनी), अनुपम खेर, सतीश कौशिक, गुलशन ग्रोवर जैसे सितारे भी अहम किरदार में हैं। फिल्म में संगीत लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने दिया, जो सुपरहिट रहा। गाने जैसे माय नेम इज लखन, बड़ा दुख दिया ओ रामजी, तेरा नाम लिया तुझे याद किया आज भी लोकप्रिय हैं। जानकारी के अनुसार, राम लखन उस साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। यह ब्लॉकबस्टर साबित हुई और 35वें फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में 9 नामांकन मिले, जिसमें राखी को बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। वहीं, सतीश कौशिक और अनुपम खेर को भी अवॉर्ड मिला था।

बशर्त 2 में जैकी श्राफ और तब्बू को क्यों नहीं मिली जगह, डायरेक्टर अनुराग सिंह ने तोड़ी चुप्पी

फिल्मों के सीक्वल को लेकर दर्शकों की उम्मीदें हमेशा बहुत ज्यादा होती हैं। खासकर जब बात 1997 की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर की हो, तो सनी देओल, जैकी श्रॉफ और तब्बू जैसे कलाकारों ने उस फिल्म को खास बनाया था, लेकिन बॉर्डर 2 में जैकी श्रॉफ और तब्बू की कमी दर्शकों ने महसूस की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए दोनों को फिल्म में शामिल



करने की लोकर कई सेवाल किए। अब इन सभा सेवाल की जवाब फीलम निर्देशक अनुराग सिंह ने आईएनएस से बात करते हुए दिया है।

बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह ने कहा, किसी भी फिल्म की कास्टिंग भावनाओं या पुराने जुड़ाव के आधार पर नहीं, बल्कि कहानी की जरूरत के अनुसार होती है। फिल्म बनाते वक्त सबसे पहले कहानी पर ध्यान दिया जाता है, न कि इस बात पर कि किस अभिनेता को दोबारा लिया जाये। कहानी जिस तरह के किरदार मांगती है, कलाकारों का चयन उसी हिसाब से किया जाता है। अनुराग सिंह ने कहा, कोई भी निर्देशक यह सोचकर स्क्रिप्ट नहीं लिखता कि उसे किसी खास अभिनेता को ही लेना है। पहले एक ऐसी कहानी लिखी जाती है जो सच्ची लगे और दिल को छुए। उसके बाद यह सोचा जाता है कि इस किरदार को कौन सा कलाकार अच्छे से निभा पाएगा। कई बार ऐसा भी होता है कि किरदार लिखते समय किसी अभिनेता का चेहरा अपने आप दिमाग में आ जाता है, लेकिन यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया होती है, दबाव में लिया गया फैसला नहीं है। सनी देओल को लेकर अनुराग सिंह ने कहा, बॉर्डर फ्रेंचाइजी को अगर किसी देशवास से सबसे ज्यादा पहचाना जाता है, तो वह सनी देओल हैं। बॉर्डर नाम आते ही दर्शकों के मन में सनी देओल की छवि उभर आती है। इसलिए अगर बॉर्डर बनाई जा रही है, तो उसमें सनी देओल का होना जरूरी है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि सनी देओल और निर्देशक जेजेपी दत्ता की पहचान बन चुकी है। अनुराग सिंह ने कहा, रचनात्मकता पर जोर दालकर किसी अभिनेता को कहानी में फिट नहीं किया जा सकता। कुछ फिल्मों को नात्मक फिल्म में ऐसा करना सही नहीं होता। अगर कहानी किसी और दिशा में निर्देशक ने कहा, पूरी स्क्रिप्ट, किरदारों की गहराई और कहानी की मांग को देखकर सबसे सही है। इसलिए उसी फैसले के साथ आगे बढ़ा गया। किसी कलाकार को दान को काम आंका गया है बॉर्डर 2 में इस बार नई पीढ़ी के कलाकारों को अहम दिलजिजत दोस्तों जैसे कलाकार सेना के जवानों के किरदार में नजर आ रहे हैं। अभिनेत्रियाँ हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि० , 94, एम०जी० मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633 / 387, गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ ७०९० से प्रकाशित।

सम्पादक-शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।